अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 174 लखनऊ, शुक्रवार, 09 जनवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

कपड़ा उद्योग की मजबूती के लिए 15 राज्यों में समझौता

नई दिल्ली। कपड़ा मंत्रालय ने असम के गुवाहाटी में 15 राज्यों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) कर कपड़ा उद्योग को अनुभव आधारित नीति निर्माण के साथ नयी ऊंचाई देने की महत्वपूर्ण पहल की है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने देशभर के कपड़ा मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में गुरुवार को इन समझौतों को परिवर्तनकारी कदम बताया और कहा कि यह समझौता कपड़ा मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के बीच 'कपड़ा केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स रैम्पस)' योजना का हिस्सा हैं।

एसआईआर नहीं बल्कि एनआरसी जैसी प्रक्रिया लागू कर रही है सरकार: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पहले दिन से जिस प्रक्रिया को एसआईआर बता रही है, वह वास्तव में एनआरसी जैसी है। जो काम गृह मंत्रालय को करना था, वही अब चुनाव आयोग से कराया जा रहा है।गुरुवार को लखनऊ में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में लोगों की नागरिकता पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

अन्नपूर्णा देवी ने शुरू किया 'पंखुड़ी' पोर्टल

नई दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने गुरुवार को यहां पंखुड़ी पोर्टल का शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य महिला एवं बाल विकास पहलों में समन्वय, पारदर्शिता और हितधारकों की सुनियोजित भागीदारी सुदृढ़ करना है।इस मौके पर महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव अनिल मलिक भी मौजूद थे। यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच से प्रेरित है, जो इस बात पर जोर देते हैं कि प्रौद्योगिकी पारदर्शिता, सहभागिता और विश्वास को सक्षम बनाकर सरकार और नागरिकों के बीच एक सेतु का काम करती है और जन भागीदारी (लोगों की सहभागिता) प्रभावी राष्ट्र निर्माण के लिए केंद्रीय है। पंखुड़ी इस दृष्टिकोण को दर्शाते हुए एक डिजिटल मंच तैयार करती है जो सरकार, नागरिकों और संस्थानों को सामाजिक विकास के लिए सहयोगात्मक रूप से काम करने के लिए एक साथ लाता है।

उप्र की पहचान और सामर्थ्य का वैश्विक मंच बनेगा यूपी दिवस

- सभी राजभवनों और भारतीय दूतावासों में होंगे आयोजन, प्रदेश सरकार के मंत्री करेंगे प्रवासी उप्रवासियों से संवाद
- लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर होगा मुख्य समारोह, प्रतिष्ठित संगीत घरानों की होंगी विशेष प्रस्तुतियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की स्थापना की स्मृति में आयोजित होने वाला उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष और अधिक व्यापक, भव्य एवं वैश्विक स्वरूप में मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि 24 से 26 जनवरी तक प्रस्तावित तीन दिवसीय समारोह के अंतर्गत राजधानी लखनऊ में मुख्य आयोजन के साथ-साथ प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों, देश के सभी राजभवनों तथा विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों में भी यूपी दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के नागरिक आज देश-दुनिया के अनेक हिस्सों में अपनी पहचान बना चुके हैं। उप्र दिवस ऐसा अवसर बने, जो प्रवासी उत्तर प्रदेशवासियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े। इसके लिए सभी राजभवनों में संवाद स्थापित कर आयोजन सुनिश्चित किए जाएं। इन आयोजनों में प्रदेश सरकार के मंत्री उपस्थित रहकर प्रवासी यूपीवासियों से संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री ने विदेशों में भारतीय दूतावासों के माध्यम से भी यूपी दिवस आयोजन के लिए संवाद बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'यूपी दिवस' केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक चेतना, आर्थिक शक्ति और विकास यात्रा को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने का माध्यम है। आयोजन गरिमामय, सुव्यवस्थित, नवाचारयुक्त और व्यापक जनभागीदारी से युक्त हों।

सड़क हादसे के पीड़ितों के लिए कैशलेस इलाज योजना जल्द: नितिन गडकरी

- सड़क दुर्घटनों में 2030 तक 50 फीसदी कमी लाने का लक्ष्य : गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा केंद्र सरकार सड़क दुर्घटना के पीड़ितों के लिए एक कैशलेस इलाज योजना जल्द शुरू करेगी। इसके तहत दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने वाले भले इंसान को 25 हजार रुपये का इनाम भी मिलेगा और पीड़ित को अस्पताल में सात दिन तक रहने पर 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज का खर्च इंश्योरेंस कंपनियां वहन करेंगी और जहां इंश्योरेंस नहीं होगा वहां सरकार रोड सेफ्टी फंड से खर्च उठाएगी।

गडकरी ने यहां गुरूवार को देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की सालाना बैठक की। बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों और आम लोगों की सुविधा, व्यापार करने में आसानी और ऑटोमोबाइल नियमों, कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम, हिट एंड रन पीड़ितों को मुआवजा, ई-डीएआर, सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह, सड़क सुरक्षा अभियान, स्क्रैपिंग पॉलिसी, बस बॉडी कोड, दिव्यांगजनों के लिए सुगमता, बीएनसीएपी 2.0, ट्रकों और बसों में एडीएएस और मोटर व्हीकल एक्ट में प्रस्तावित संशोधन जैसे 12 विषयों पर चर्चा की गई।

गडकरी ने कैशलेस इलाज योजना पर राज्यों की तैयारियों की समीक्षा कर उन्हें सक्रिय रूप से कमियों को दूर करने के लिए आगाह गया। उन्होंने बताया कि असम, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड, हरियाणा, पुडुचेरी और उत्तर प्रदेश में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब इसे पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

अब ग्राम पंचायतों में भी बनेगा आधार कार्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायत स्तर पर ही आधार सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल शुरू कर दी है। इसके तहत प्रदेश की 1000 ग्राम पंचायतों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आधार सेवा केंद्र स्थापित करने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। इसके लिए आवश्यक उपकरण लगाए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नया आधार बनवाने से लेकर आधार अपडेट और प्रमाणीकरण तक की सुविधाएं सीधे गांव में ही मिल सकेंगी। पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि हर ग्राम पंचायत के ग्राम सचिवालय में आधार सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। इन केंद्रों का संचालन ग्राम पंचायत सहायक करेंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और जिम्मेदारी दोनों को बढ़ावा मिलेगा। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए यूआईडीएआई ने पंचायती राज विभाग को रजिस्ट्रार आईडी और इंपैनलमेंट एजेंसी (ईए) आईडी भी निर्गत कर दी है, जिससे आधार सेवाओं का संचालन पूरी तरह अधिकृत और पारदर्शी तरीके से हो सकेगा। इस नई व्यवस्था से आधार नामांकन, अपडेट और प्रमाणीकरण की प्रक्रिया सरल और सुगम होगी। इससे ग्रामीणों का सीधा जुड़ाव सरकारी योजनाओं से सुनिश्चित होगा।

स्टार्टअप और एआई एंटरप्रेन्योर भारत के भविष्य के सह-निर्माता: मोदी

एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने भारतीय एआई स्टार्टअप्स के साथ गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि स्टार्टअप्स और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल्स को स्थानीय और स्वदेशी कंटेंट के साथ-साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने ये बातें नई दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर 12 भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्ट-अप्स के साथ एक राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहीं। ये स्टार्ट-अप्स आगामी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में आयोजित होने वाली एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए चयनित हुए हैं। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में नवाचार और बड़े पैमाने पर तकनीक के कार्यान्वयन की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के सामने 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' की भावना को प्रतिबिंबित करने वाला विशिष्ट एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई समाज में व्यापक परिवर्तन लाने की क्षमता रखता है और भारत अगले महीने आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के माध्यम से वैश्विक प्रौद्योगिकी परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत एआई का प्रभावी उपयोग कर परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा गोपनीयता के सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल स्थानीय एवं स्वदेशी कंटेंट तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा दें। साथ ही, उन्होंने स्टार्ट-अप्स से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करने और किफायती, समावेशी एवं फ्रूगल इनोवेशन को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने एआई स्टार्ट-अप्स और उद्यमियों को आश्वासन दिया कि उनके एआई मॉडलों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

राउंड टेबल में शामिल एआई स्टार्ट-अप्स ने भारत में एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि एआई क्षेत्र में तेज़ी से हो रहे विकास के कारण नवाचार और क्रियान्वयन का वैश्विक केंद्र भारत की ओर स्थानांतरित हो रहा है। इन भारतीय स्टार्ट-अप्स ने प्रधानमंत्री के समक्ष अपने नवाचारों, विचारों और अब तक किए गए कार्यों की प्रस्तुति दी।

ममता ने छापेमारी में डाली बाधा, सबूत किये जब्त: ईडी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अनूप माझी और अन्य से जुड़े हवाला कारोबार के मामले में ईडी की कार्रवाई में बाधा डालने और सबूत जब्त करने का आरोप लगाया है।

ईडी ने गुरुवार को कहा कि वह अनूप माझी और अन्य से जुड़े हवाला कारोबार रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) मामले में कोलकाता में छापेमारी कर रही थी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के आने तक यह कार्रवाई शांतिपूर्वक और पेशेवर तरीके से चल रही थी। इसी दौरान सुश्री बनर्जी काफी संख्या में पुलिस अधिकारियों के साथ प्रतीक जैन के आवासीय परिसर में घुस गयीं और भौतिक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस सहित अहम सबूत हटा दिये।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री का काफिला फिर भारतीय राजनीतिक कार्रवाई समिति (आई-पीएसी) के ऑफिस पहुंचा, जहां से सुश्री बनर्जी, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस कर्मियों ने जबरन अतिरिक्त डॉक्यूमेंट और इलेक्ट्रॉनिक सबूत हटा दिये। ईडी का मामला 2020 में दर्ज केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी (एफआईआर) पर आधारित है। जांच के दौरान एजेंसी ने दावा किया कि उसने अनूप माझी के नेतृत्व वाले एक कोयला तस्करी सिंडिकेट का पर्दाफाश किया है, जिसने कथित तौर पर पश्चिम बंगाल में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) के लीज वाले इलाकों से कोयला चुराया।

ईडी ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले के मामले में देश भर में मारे छापे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गुरुवार को देश भर में तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान एक संगठित गिरोह को निशाना बनाते हुए चलाया गया, जिसने फर्जी नौकरी का झांसा देकर लोगों को ठगा है। एक ईडी अधिकारी ने कहा, ''यह घोटाला शुरू में भारतीय रेलवे के नाम पर सामने आया था, लेकिन जांच में पता चला है कि इसमें वन विभाग, आरआरबी, भारतीय डाक, आयकर, उच्च न्यायालय, पीडब्ल्यूडी, बिहार सरकार, डीडीए और राजस्थान सचिवालय सहित 40 से ज़्यादा अन्य सरकारी संगठनों और विभागों के नाम पर धोखाधड़ी की गयी है।

हम वर्दी पहनें या न पहनें, हमारा दिल वर्दीधारी होना चाहिए : एयर चीफ मार्शल

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने गुरुवार को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों को कैरियर के संबंध में एक सशक्त संदेश दिया कि उन्हें असफलताओं से डरना नहीं चाहिए क्योंकि असफलता अंत नहीं बल्कि अक्सर महानता की शुरुआत होती है। उन्होंने कैडेटों से एनसीसी के मूल्यों को हमेशा याद रखने का आह्वान करते हुए कहा , '' हम वर्दी पहनें या न पहनें, हमारा दिल वर्दीधारी होना चाहिए।'' एयर चीफ मार्शल सिंह ने यहां दिल्ली छावनी स्थित एनसीसी के गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया। कैडेटों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने जीवन के बेहद व्यक्तिगत अनुभव साझा किए जिनमें बचपन में स्कूल में दाखिला न मिल पाने से लेकर सेवा के दौरान पहले पदोन्नति बोर्ड में चूकना तक शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायु सेनाओं में से एक के प्रमुख बने।

युवा कैडेटों को संबोधित करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि वास्तविक विकास प्रतिस्पर्धा से नहीं, आत्म-सुधार से होता है। उन्होंने कहा, ''यदि आप दूसरों से प्रतिस्पर्धा करेंगे, तो जिस दिन आप उनसे आगे निकल जाएंगे, उस दिन आपकी प्रगति रुक जाएगी। अपने आप से प्रतिस्पर्धा करें।

श्रीराम का सेवक बजरंगी भी है तैयार

अभयानंद शुक्ल, कार्यकारी सम्पादक

- राम मंदिर आंदोलन के पोस्टर ब्वॉय हैं कटियार
- चुनाव लड़ने का संकेत दे मचाई सियासी हलचल
- कहा, हमारी तो हमेशा ही रहती है चुनाव की तैयारी

लखनऊ। राजनीति में कब, क्या और कैसे कौन सी घटना हो जाए, कोई नहीं जानता। ऐसा ही कुछ अब अयोध्या के संदर्भ में होता दिख रहा है। राम मंदिर आंदोलन के पोस्टर ब्वॉय रहे भाजपा नेता और बजरंग दल के अध्यक्ष विनय कटियार ने अयोध्या से विधानसभा चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर कर टिकट के दावेदारों में खलबली मचा दी है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने कहा कि हम हमेशा ही तैयार रहते हैं। कटियार का ये बयान आने के बाद सियासी हलकों में तूफान मच गया है। विनय कटियार फैजाबाद सीट से सांसद भी चुने जा चुके हैं। बाद में वे राज्यसभा में भी गए। अब बदले समीकरण में जब भाजपा 2024 में फैजाबाद लोकसभा सीट हार गयी है, तो एक बार फिर उनके राजनीति में सक्रिय होने की चर्चा चल पड़ी है।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि पहले उनको अयोध्या से विधानसभा का चुनाव लड़ाया जाएगा, फिर आगे माहौल बना तो लोकसभा चुनाव में भी उतारा जाएगा, ताकि उनकी बजरंगी वाली छवि के बल पर 2024 में अयोध्या में हुई हार का बदला लिया जा सके। अब भाजपा को भी ये समझ में आ गया है कि प्रखर हिंदुत्व की छवि ही उसका बेड़ा पार कर सकती है। और विनय कटियार के साथ प्रखर हिंदुत्व और अखिलेश यादव के पीडीए का पिछड़ा वाला टैग भी लगा हुआ है। ऐसे में कटियार विधानसभा और लोकसभा के लिए भाजपा की ओर से सबसे फिट कैंडिडेट भी साबित हो सकते हैं। खैर, विनय कटियार का ताजा बयान रामनगरी अयोध्या की राजनीति को नए सिरे से सक्रिय कर गया है।

भाजपा के लिए अयोध्या सीट 2027 की दिशा तय करने वाली बन चुकी है। अयोध्या में चुनाव जीतना अब उतना अहम नहीं है, जितना ये तय करना कि किस विचार और रणनीति के साथ जीता जाए। जब अयोध्या में 2027 के चुनाव के मद्देनजर परिदृश्य बदल रहा है, तो ऐसे में राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व सांसद विनय कटियार का यह कहना कि अयोध्या की राम जन्मभूमि मेरी कर्मभूमि है, महत्वपूर्ण हो जाता है। यह केवल भावनात्मक वक्तव्य भर नहीं, बल्कि उनकी सियासी सक्रियता का स्पष्ट संकेत भी माना जा रहा है। जहां तक अयोध्या सीट की बात है तो ये एक सामान्य चुनावी क्षेत्र नहीं है। इस विधान सभा क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध श्रीराम लला का मंदिर स्थित है। ये भाजपा की वैचारिक राजनीति का प्रतीक भी है। इसी लोस सीट को जीतने के बाद विपक्ष कहने लगा है कि प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद तो हमें मिला है। भाजपा भी इसे दावे को भोथरा करने में सफल नहीं हो पाती है।

श्री राम मंदिर निर्माण के बाद से तो ये सीट अब राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो चुकी है। ऐसे में इस सीट के लिए प्रत्याशी चयन भारतीय जनता पार्टी के लिए आसान नहीं है।

फिलहाल अयोध्या से भाजपा के वेद प्रकाश गुप्ता विधायक हैं। पर 2027 को देखते हुए स्पष्ट है कि यहां पार्टी में एक से अधिक सियासी धाराएं टिकट के लिए सक्रिय हैं। इसलिए यहां ऐसे नाम की जरूरत है, जो सबको स्वीकार्य हो। इस सीट के लिए वरिष्ठता, अनुभव, वैचारिक पृष्ठभूमि और स्थानीय सक्रियता में संतुलन की भी जरूरत होगी। जहां तक विनय कटियार का सवाल है तो उनकी सक्रियता को दो स्तरों पर देखा जा रहा है। पहला रणनीतिक दबाव, यानी पार्टी नेतृत्व को यह याद दिलाना कि अयोध्या की राजनीति सिर्फ प्रशासनिक नहीं, वैचारिक विषय भी है।

दूसरा विकल्प, यानी यह संकेत कि पार्टी चाहे तो उसके पास एक ऐसा चेहरा है, जिसकी पहचान शुरू से अयोध्या से जुड़ी रही है। विनय कटियार की यही खूबी उनकी उम्मीदवारी के लिए वजन पैदा करती है। वैसे भी चुनाव मैदान आने का संकेत देने के पहले वे नये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से और उसके बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी से भी मिल चुके हैं। यानी कुछ तो है जो सामने से दिख नहीं रहा है। आप भी तलाशिए।

अशिवनी वैष्णव कल 100 रेल कर्मियों को देंगे रेल सेवा पुरस्कार 26 रेलवे जोनों को मिलेंगी शील्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेल अपने समर्पित और उत्कृष्ट सेवा देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित करने के लिए तैयार है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव शनिवार को 100 रेल अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रतिष्ठित 70वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2025 प्रदान करेंगे। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रेलवे जोनों को कुल 26 शील्ड प्रदान की जाएंगी।

यह सम्मान समारोह नई दिल्ली के द्वारका स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (यशोभूमि) में आयोजित होगा।

समारोह में रेल राज्य मंत्री एवं जल शक्ति मंत्री वी. सोमन्ना, रेल राज्य मंत्री एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री रवनीत सिंह, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य तथा विभिन्न रेलवे जोनों और उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधक भी उपस्थित रहेंगे।

इस वर्ष कुल 100 पुरस्कारार्थियों का चयन नवाचार, परिचालन दक्षता, सुरक्षा, संरक्षा, राजस्व वृद्धि, परियोजनाओं के समयबद्ध निष्पादन, खेल और अन्य विशिष्ट क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए किया गया है। पुरस्कार पाने वालों में वे अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल हैं, जिन्होंने महाकुंभ जैसे बड़े आयोजनों के दौरान सुरक्षित और सुचारू रेल परिचालन सुनिश्चित किया।

योगी सरकार आयुष्मान अस्पतालों को 30 दिन में कर रही भुगतान, मरीजों के इलाज के लिये दिये 4,649 करोड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मरीजों के इलाज को किया जा रहा भुगतान
- जनवरी 2025 में 10 लाख से अधिक पेंडेंसी को घटाकर किया गया 3 लाख

लखनऊ। योगी सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत इलाज कराने वाले परिवारों के लिए जहां कैशलेस उपचार सुनिश्चित किया है, वहीं योजना से जुड़े अस्पतालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कर व्यवस्था को और मजबूत किया है। इसी का नतीजा है कि पिछले एक वर्ष में आयुष्मान योजना के क्लेम निस्तारण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। जनवरी-25 में जहां क्लेम की पेंडेंसी 10 लाख 75 हजार तक पहुंच गई थी, वहीं दिसंबर-25 तक यह घटकर मात्र 3 लाख रह गयी है। स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज(साचीज) की सीईओ अर्चना वर्मा ने बताया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों द्वारा

प्रस्तुत क्लेम के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के लिए लगातार सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। जनवरी-25 में जहां क्लेम की पेंडेंसी 10 लाख 75 हजार तक पहुंच गई थी, वहीं दिसंबर 2025 तक यह घटकर मात्र 3 लाख रह गयी है। इसे भी जल्द ही निस्तारित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में योजना के तहत प्रति माह औसतन 2 लाख से अधिक क्लेम अस्पतालों से प्राप्त होते हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले क्लेम का समयबद्ध निस्तारण एक बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि पुराने लंबित मामलों के साथ-साथ नए क्लेम का भी नियमित और सुव्यवस्थित तरीके से निस्तारण हो। साचीज की एसीईओ पूजा यादव ने बताया कि मेडिकल ऑडिटरों की संख्या 40 से बढ़ाकर 130 कर दी गई है। इससे क्लेम की जांच प्रक्रिया तेज हुई है। इसके साथ ही क्लेम प्रोसेसिंग डेस्क (CPD) की संख्या भी 100 से बढ़ाकर 125 कर दी गई है। योजना के तहत अस्पतालों द्वारा प्रस्तुत क्लेम्स का भुगतान 30 दिनों की निर्धारित समय-सीमा यानी टर्न अराउंड टाइम (TAT) के भीतर किया जाए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एजेंसी स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें की जा रही हैं और लंबित मामलों की सतत निगरानी की जा रही है। साचीज की सीईओ ने बताया कि जनवरी-25 से दिसंबर-25 की अवधि के दौरान आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रदेश के सूचीबद्ध अस्पतालों को क्लेम्स के सापेक्ष कुल 4,649 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि योगी सरकार न सिर्फ इलाज की व्यवस्था कर रही है, बल्कि अस्पतालों के आर्थिक हितों की भी पूरी तरह से रक्षा कर रही है, ताकि वे गरीब मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे सकें। योगी सरकार की नीतियों से क्लेम पेंडेंसी में कमी, समयबद्ध भुगतान और मजबूत ऑडिट व्यवस्था ने अस्पतालों का विश्वास बढ़ाया है। इसका सीधा लाभ गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मिल रहा है ।

अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक एसजीपीजीआई लखनऊ में भर्ती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को कार्डियक अटैक पड़ा है। एसजीपीजीआई की कार्डियोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट के सूत्रों के मुताबिक, बुधवार रात बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर से उन्हें लखनऊ रेफर किया गया था। लखनऊ लाते समय रास्ते में ही उनको कार्डियक अटैक की शिकायत हुई, जिस पर सीपीआर देते हुए उन्हें सीधे एसजीपीजीआई के कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में भर्ती कराया गया। रात करीब 1.00 बजे अमिताभ ठाकुर को भर्ती कराया गया है। फिलहाल पूरे डिपार्टमेंट में कोई बात करने को अभी तैयार नहीं है। डॉक्टरों की निगरानी में अमिताभ ठाकुर का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है की हालत स्थिर नहीं है, इसलिए किसी को भी वहां आने-जाने की बिल्कुल परमिशन नहीं है। हालांकि, पूरे मामले को लेकर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। दरअसल, अमिताभ ठाकुर की तबीयत देवरिया जेल में मंगलवार देर रात अचानक बिगड़ गई थी। सीने में तेज दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद पहले उन्हें देवरिया मेडिकल कॉलेज, फिर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। स्थिति गंभीर होने पर लखनऊ भेजा गया। इसी बीच, अमिताभ ठाकुर की ओर से रिमांड कैंसिल करने के लिए बुधवार को दी गई अर्जी सीजेएम मंजू कुमारी ने खारिज कर दी। अब उन्हें 21 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। मंगलवार को अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका पर सीजेएम कोर्ट में सुनवाई थी। पुलिस उन्हें सीजेएम कोर्ट लेकर गई थी, लेकिन कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद ठाकुर की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पेशी के बाद अमिताभ ठाकुर को शाम तीन बजे जेल वापस लाया गया। रात 9.30 बजे उन्होंने भोजन किया और उसके बाद लिखने-पढ़ने में लगे रहे। रात करीब 12 बजे अचानक सीने में तेज दर्द हुआ, जिसके बाद जेल प्रशासन ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया। फिर उन्हें गोरखपुर भेजा गया।

प्रदेश ग्लोबल आईटी हब बनने की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- निर्यात आधारित आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग से युवाओं के लिए बढ़ रहे रोजगार के अवसर

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ग्लोबल आईटी हब बनने की ओर अग्रसर है। बेहतर होते इन्फ्रास्ट्रक्चर, निवेश अनुकूल वातावरण से प्रदेश आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में भी तेजी से उभरते हुए, देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित हो चुका है। 2017 के बाद से प्रदेश ने आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। यह क्षेत्र प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। लक्ष्य है कि 2030 तक देश के आईटी निर्यात में प्रदेश की मौजूदा हिस्सेदारी को 5 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक के स्तर पर ले जाया जाए। आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के संयुक्त विकास ने उत्तर प्रदेश के निर्यात आधार को व्यापक बनाया है।नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र और लखनऊ जैसे शहर अब आईटी सेवाओं, मोबाइल निर्माण, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और डेटा आधारित उद्योगों के प्रमुख केंद्र बनकर उभरे हैं। प्रदेश में स्थापित हो रही असेम्बली यूनिट्स, कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग प्लांट और आईटी सर्विस कंपनियों ने निर्यात क्षमता को नई मजबूती दी है। 2017 में उत्तर प्रदेश से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात 3,862 करोड़ रुपये था, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 44,744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। आईटी आधारित सेवाओं का निर्यात 55,711 करोड़ रुपये से बढ़कर 82,055 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह वृद्धि आंकड़ों तक सीमित नहीं है। प्रदेश में विकसित हो रहे प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक ढांचे, वैश्विक कंपनियों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती है।इसका सबसे बड़ा लाभ प्रदेश के युवाओं को मिल रहा है। आईटी और इलेक्ट्रॉनिक निर्यात आधारित उद्योगों से बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। तकनीकी प्रशिक्षण कौशल, विकास कार्यक्रम और स्टार्टअप इकोसिस्टम के विस्तार से युवा अब केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि नवाचार और उद्यमिता के वाहक बन रहे हैं। योगी सरकार के नीतिगत सुधारों ने निवेश प्रक्रिया सरलपारदर्शी बनाया है। सिंगल विंडो सिस्टम,बेहतर कानून व्यवस्था, मजबूत लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने यूपी को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बना दिया है।

मंडल रेल प्रबन्धक ने समपार फाटको पर कर्मचारियों की सजगता का मध्य रात्रि में किया औचक निरीक्षण

लखनऊ। भारतीय रेलवे में यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, शीतकाल के मौसम में रेल संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल निरंतर सतर्क और सक्रिय है। लखनऊ. पूर्वोत्तर रेलवे मंडल शीतकाल के इस मौसम में भी रेल संरक्षा एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए निरंतर सतर्क और रात-दिन सक्रिय है। इसी क्रम में पूर्वोत्तर मंडल रेल प्रबन्धक गौरव अग्रवाल व उनकी टीम लगातार प्रयासरत है। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने रेल संरक्षा एवं कर्मचारियों की सजगता की जांच के लिए दिनांक 7/8 जनवरी की मध्यरात्रि में गोरखपुर- आनंद नगर रेल खण्ड के मध्य गेट संख्या 11- सी एवं 13- सी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात गेटमैन की सतर्कता को जाँच और कर्मचारियों से सुरक्षित ट्रेन परिचालन के संबंध में बात की। जाँच के दौरान सभी गेटमैन ड्यूटी पर सतर्क पाए गए। मंडल रेल प्रबंधक द्वारा इससे पूर्व दिनांक 6/7 जनवरी की मध्य रात्रि को गोंडा -आनंद नगर के मध्य स्थित समपार संख्या 74-सी,69-सी, 68-सी एवं 66-सी का औचक रात्रि निरीक्षण कर गेटमैन की सतर्कता की जांच की गई थी।

लखनऊ में हिन्दू सम्मेलन को संबोधित करेंगे ऋतेश्वर महाराज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

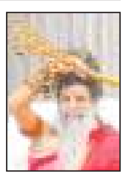

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लखनऊ के रामाधीन सिंह उत्सव लॉन में शुक्रवार को आयोजित हिन्दू सम्मेलन को श्री आनंदम धाम पीठ, वृन्दावन के पीठाधीश्वर ऋतेश्वर महाराज संबोधित करेंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह विभाग कार्यवाह पंकज पटवा ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त प्रचारक कौशल भी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में लखनऊ उत्तर भाग के विवेकानन्द नगर और विशेश्वर रामाधीन बस्ती के सकल हिन्दू समाज के लोग शामिल होंगे। इस सम्मेलन की सफलता के लिए कार्यकर्ता गृह सम्पर्क कर रहे हैं।

माघ मेले को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं यादगार बना रही है योगी सरकार : जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के प्रमुख स्थलों पर चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए गए हैं। अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्रों पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रयागराज के प्रमुख पर्यटन स्थलों से संबंधित जानकारी वाली पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में दी। जयवीर सिंह ने बताया कि 03 जनवरी से अब तक इन सूचना केंद्रों के माध्यम से करीब 20 लाख से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक लाभान्वित हो चुके हैं। पर्यटन सूचना केंद्रों पर पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस, धर्मशाला और अन्य ठहरने के विकल्पों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। पुस्तिका में गाइड बुक, प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की सूची और शहर भ्रमण से जुड़ी आवश्यक जानकारियां भी उपलब्ध हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इन केंद्रों पर एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मेले, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता अभियान और प्रमुख पर्यटन स्थलों से जुड़े वीडियो दिखाए जा रहे हैं। साथ ही सेक्टर मैप लगाए गए हैं, जिससे श्रद्धालु आसानी से यह जान सकें कि किस सेक्टर में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं और वहां कैसे पहुंचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि ये चार अस्थायी पर्यटन सूचना केंद्र परेड ग्राउंड, नागवासुकी मंदिर, प्रयागराज छिवकी जंक्शन रेलवे स्टेशन और अरैल घाट के पास स्थापित किए गए हैं। यहां प्रयागराज के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों की पर्यटन पुस्तिकाएं भी उपलब्ध हैं, जिससे पर्यटक प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों से भी परिचित हो सकें।प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि माघ मेला केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि हर श्रद्धालु को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम अनुभव मिले, जिसके लिए पर्यटन विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

चारबाग बस अड्डे पर लगा जाम, निर्माण कार्य के चलते चारों ओर से बंद हुआ बस अड्डा

लखनऊ। लखनऊ के चारबाग रोडवेज बस अड्डा पर चल रहे निर्माण कार्य ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। बस अड्डे के चारों ओर रास्ते बंद कर दिए गए हैं, जिससे बसों के प्रवेश और निकास की व्यवस्था ठप हो गई है। हालात यह हैं कि बसों को मजबूरी में सड़क के दोनों किनारों पर खड़ा किया जा रहा है, जिसके कारण चारबाग और आसपास के इलाकों में भीषण जाम की स्थिति बन गई है। बस अड्डे के भीतर जगह न होने और रास्ते बंद होने के कारण रोडवेज बसें सीधे सड़क पर खड़ी की जा रही हैं। इससे न सिर्फ निजी वाहन बल्कि एम्बुलेंस, ऑटो और दोपहिया चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चारबाग रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले रास्तों पर भी वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पूरे क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि चारबाग रोडवेज बस अड्डे को आधिकारिक तौर पर बंद किए जाने की बात सामने आ रही है, लेकिन इसकी जानकारी यात्रियों को नहीं दी गई है।

सगाई के बाद लड़की को ससुराल भेजा, जेवर लेकर भागी, सास ने बहू पर की एफआईआर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में एक महिला ने जान-पहचान के लोगों पर साजिश के तहत जेवर चोरी करने और झूठे मुकदमे में फंसाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक पूरी साजिश की शुरुआत बेटे की शादी के प्रस्ताव से हुई। जो बाद में बड़ी ठगी और डराने-धमकाने में बदल गई। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। न्यू मुन्नू खेड़ा स्थित ग्रीन सिटी कॉलोनी में रहने वाली पूनम पांडेय ने बताया कि उनका परिचित विक्की गुप्ता, उसकी महिला मित्र साधना और साधना का बेटा प्रेम उनके घर आते-जाते थे। इसी दौरान इन लोगों ने साजिश के तहत उनके बेटे सचिन की शादी का प्रस्ताव रखा और एक पायल नाम की लड़की से मिलाया। आरोप है कि लड़की के बारे में बताया गया कि उसकी मां सौतेली है और पिता उस पर अत्याचार करता है। इसके बाद जल्दी सगाई करने का दबाव बनाया गया और पायल के साथ बेटे की सगाई कर दी गई। सगाई के करीब तीन महीने बाद आरोपी पायल को लेकर पीड़िता के घर पहुंचे और जान का खतरा बताते हुए उसे घर में रखने की बात कही। दबाव में आकर पीड़िता ने पायल को घर की ऊपरी मंजिल में बने कमरे में रहने दिया। इस दौरान पायल ने घर में रखे जेवर और कीमती सामान की जानकारी जुटा ली। 8 अगस्त 2025 को रक्षा बंधन पर जब पीड़िता अपने पति के साथ गोरखपुर गईं। बेटा मुंबई में था, तब पायल घर में अकेली थी। इस दौरान पायल, विक्की, साधना और प्रेम ने मिलकर अलमारी में रखे पुश्तैनी सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। पीड़िता का कहना है कि 11 अगस्त को वापस लौटने के बाद पायल का व्यवहार अचानक उग्र हो गया। वह छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा करने लगी और सगाई तोड़ने की धमकी देने लगी। जब पीड़िता ने अलमारी खोली तो सारा जेवर गायब मिला। पायल से पूछा तो वो पीड़िता और उनके पति को झूठे मुकदमों में फंसाने और जेल भिजवाने की धमकी देते हुए घर छोड़ दिया। जब इस बारे में विक्की गुप्ता से बात की गई तो उसने भी झगड़ा किया और शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 15 सितंबर 2025 की रात पीड़िता घर पर अकेली थीं। तब पायल, विक्की, साधना, प्रेम समेत कई लोग उनके घर पहुंचे और गेट खोलने का दबाव बनाते हुए गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने लगे। उसी दौरान पुलिस के पहुंचने पर सभी वहां से चले गए। इसके बाद से आरोपी पक्ष अलग-अलग जगह प्रार्थना-पत्र देकर उन पर दबाव बना रहा है, ताकि जेवर चोरी के मामले में वह कोई कानूनी कार्रवाई न कर सकें। प्रताड़ना से तंग महिला ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर महिला ने कोर्ट की शरण ली। पारा इंस्पेक्टर का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ है। जांच की जा रही है।

अखिलेश ने पीडीए समाज से की वोट बचाने की अपील

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए समाज (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वोटर लिस्ट से नाम काटे जाने की साजिश को हर हाल में नाकाम किया जाए। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बावजूद पीडीए समाज के करोड़ों मतदाताओं के नाम अब तक मतदाता सूची से हटाए जा चुके हैं, जो लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों पर सीधा हमला है। श्री यादव ने गुरुवार को एक्स पर पीडीए प्रहरी' से हर बूथ पर गहन जांच-पड़ताल करने का आह्वान करते हुए कहा कि झ्स्क के भी वोट न कटने पाए, एक भी वोट न घटने पाएझ्र के संकल्प के साथ सभी को फिर से संगठित होना होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम होना नागरिक होने की पहचान है। अगर किसी का नाम वोटर लिस्ट से हटता है तो आने वाले समय में उसी आधार पर राशन कार्ड, सरकारी योजनाओं, जाति प्रमाणपत्र, आरक्षण, नौकरी, बैंक खाते, बीमा, पैन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बिजली-पानी कनेक्शन, खेत-जमीन और घर-मकान तक पर संकट आ सकता है। सपा अध्यक्ष ने आशंका जताई कि सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी सरकार चुनावी लाभ के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि जो सरकार निर्विरोध चुनाव कराने का खेल खेल सकती है, वह वोट काटने की साजिश भी कर सकती है। चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार के जरिए जल-जंगल-जमीन पर कब्जा करना ही उनका उद्देश्य है। श्री यादव ने कहा कि पीडीए समाज को यह समझना होगा कि जब हमारे पास वोट डालने का अधिकार है, तब भी उत्पीड़न हो रहा है। यदि यह अधिकार ही छीन लिया गया तो हालात और भयावह होंगे।

राजभवन में कलर बॉल प्रतियोगिताएं सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजभवन में आयोजित परम्परागत खेल प्रतियोगिता 2025-26 के अंतर्गत गुरूवार को 14वें दिन स्लो साइकलिंग एवं कलर बॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्लो साइकलिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने संतुलन, धैर्य एवं एकाग्रता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न्यूनतम गति पर बिना पैर भूमि पर रखे साइकिल चलाकर अपने कौशल का परिचय दिया। वहीं कलर बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा त्वरित निर्णय क्षमता, सजगता एवं सक्रियता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिताओं के दौरान खिलाड़ियों की फुर्ती एवं समन्वय सराहनीय रहा। इस अवसर पर राजभवन के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन की संस्कृति विकसित करें : बीओसीडब्ल्यू कल्याण बोर्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक (बीओसीडब्ल्यू) कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एम.के.शन्मुगा सुन्दरम ने विद्यालयों में नियमित समाचार पत्र पठन (न्यूज पेपर रीडिंग) की संस्कृति विकसित करने एवं भाषाई/तार्किक कौशल संवर्धन के सम्बंध में गुरुवार को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए पाठ्यक्रम की शिक्षा के अतिरिक्त सामान्य ज्ञान (जनरल अवेयरनेस), भाषाई पकड़ (कमाण्ड ओवर लैंग्वेज) और आलोचनात्मक सोच (क्रिटिकल थिंकिंग) को भी सशक्त बनाने की आवश्यकता है। इस के लिए छात्र-छात्राओं को समाचार पत्रों के नियमित पठन हेतु प्रोत्साहित किया जाना आवश्यक है। इस सम्बन्ध में बेसिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा भी निर्देश 23 दिसम्बर 2025 को निर्गत किये गए हैं। इसी क्रम में उन्होंने समस्त अटल आवासीय विद्यालयों में गतिविधियों को तत्काल प्रभाव से दैनिकचर्या में सम्मिलित किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने पुस्तकालय में समाचार पत्रों की उपलब्धता के सम्बन्ध में बताया है कि प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में प्रतिष्ठित उच्च गुणवत्ता वाले हिंदी एवं अंग्रेजी के समाचार पत्रों को नियमित रूप से उपलब्ध कराए जाएं। समाचार पत्र पढ़ने के महत्वपूर्ण पहलू के सम्बन्ध में छात्र-छात्राओं को समाचार पत्रों में सामान्य ज्ञान के अतिरिक्त विज्ञान, अर्थव्यवस्था, नवीन विकास तथा खेल से संबंधित विषयों के सम्बन्ध में पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित किये जाने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही दैनिक एवं साप्ताहिक गतिविधियों के बारे में प्रार्थना सभा के उपरान्त कक्षा में पठन-पाठन प्रारम्भ करने के पूर्व 10 मिनट का समय समाचार पठन के लिए आवंटित करें। प्रतिदिन 5 नए/कठिन शब्द उनके अर्थ सहित बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएं। विद्यालय के मुख्य डिस्प्ले बोर्ड पर 'आज का सुविचार' को अनिवार्य रूप से अंकित किया जाए। उन्होंने कहा है कक्षा नौ से बारह तक के छात्रों के लिए सप्ताह में एक बार संपादकीय लेखों पर आधारित मौलिक लेखन या समूह चर्चा आयोजित की जाए। रचनात्मक कार्यों में कनिष्ठ (जूनियर) वर्ग के छात्रों के लिए विज्ञान, पर्यावरण और खेल जैसे विषयों पर न्यूज क्लिपिंग स्क्रैपबुक तैयार करवाई जाए। मानसिक विकास एवं प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत उन्होंने विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता बढ़ाने के लिए समाचार पत्रों में प्रकाशित सुडोकू, शब्द पहेली और ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिताएं समय-समय पर आयोजित किये जाने के निर्देश दिए हैं साथ ही विद्यालय समाचार पत्र/पत्रिका के बारे में कहा है कि विद्यार्थियों को समाचार पत्रों की संरचना एवं प्रस्तुतिकरण से प्रेरणा लेकर अपने विद्यालय के लिए एक त्रैमासिक विद्यालय समाचार पत्र या विद्यालय पत्रिका तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसका संपादन विद्यार्थियों की टीम द्वारा ही किया जाए जिसमें विद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को समाचार के रूप में प्रस्तुत किया जाए। वैज्ञानिक अभिरुचि को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यार्थियों को छोटे समूहों में वैज्ञानिक तथ्यों और प्रक्रियाओं पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन करना सुनिश्चित करें। यह पहल हमारे विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

सत्यापन के बाद सही व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किये जाये: अनुनय झा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। गुरूवार को गांधी भवन सभागार में विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के तहत 6 जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक अभियान के तहत जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी अनुनय झा ने मतदाता सूची में वर्जित मतदाताओं की पात्रता एवं नये नाम जोड़ने आदि के सम्बन्ध में फार्म 6, 7 व 8 भराने के सम्बन्ध में सभी विधान सभाओं के सहायक तथा अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को बिन्दुवार प्रशिक्षण दिया।

जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि सभी एईआरओ अपने ईआरओ के मार्ग दर्शन में पूरी सूक्षबूझ के साथ बीएलओ के माध्यम से नो मैपिंग वाले मतदाताओं के माध्यम से नोटिस जारी करायें और समय सीमा के अन्दर प्राप्त समस्त दावेए आपत्तियों का सत्यापन बीएलओ के द्वारा निष्पक्ष कराने के बाद ही सही व्यक्तियों का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाये और किसी गलत व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जोड़ा न जाये तथा मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए दावा करने वाले व्यक्ति को आधार कार्ड की छाया प्रति सहित निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धिरित 13 आईडी जैसे राशन कार्ड, पासपोर्ट, सरकारी, अर्ध सरकारी कार्यालय द्वारा जारी आईडी आदि में एक आईडी लगाना आवश्यक होगा। प्रशिक्षण में अपर जिला मजिस्ट्रेट न्यायिक/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी सभी विधान सभाओं के सहायक तथा अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी व प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम आदि उपस्थित रहे।

कार्यों में लापरवाही क्षम्य नहीं होगी: जिलाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई 15वे वित्त आयोग की बैठक

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता मे विवेकानंद सभागार में 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत प्राप्त धनराशि के सापेक्ष प्रस्तावित कार्य योजनाओं की स्वीकृति के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्थानीय निकाय द्वारा प्रस्तुत विभिन्न विकासात्मक प्रस्तावों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने सभी प्रस्तावों की उपयोगिता, जनहित, गुणवत्ता तथा समयबद्ध क्रियान्वयन के बिंदुओं पर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा निर्देशित किया कि स्वीकृत होने वाली कार्ययोजनाएं जनसामान्य को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने वाली हो। जिलाधिकारी ने कहा कि 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना विकास निधि के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का उपयोग पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए तथा कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि सभी ईओं आगामी बैठक मे कार्ययोजना का प्रजेन्टेशन के साथ उपस्थित हों, इस कार्य मे किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। उन्होंने कहा कि कार्य योजना मे जन प्रतिनिधियों के प्रस्तावों को भी कार्य योजना मे शामिल किया जाये। ऐसी योजनायें बनायी जाये जिससे आमजन को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिलें। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष हरदोई, पिहानी, गोपामऊ, सभी ईओं, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी उपस्थित रहें।

कृषि विभाग से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। स्वामी विवेकानन्द सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता मे कृषि विभाग से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आहू की गयी। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, उद्यान विभाग की योजनाओं, सिचाई विभाग, मत्स्य विभाग दुग्ध विभाग सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अब तक की प्रगति के बारे मे बिन्दुवार गहन समीक्षा की। उन्होंने उद्यान विभाग की समीक्षा करते हुये कहा कि फूड प्रोसेसिंग को बढावा दिया जाये। इसमे स्वयं सहायता समूह को जोड़ा जाये। पराग डेरी से सम्बन्धित प्रोडक्ट को बढावा देने के एक लिये एक महिला समूह को चिन्हित कर पराग का स्टोर खुलवाया जाये। किसानों के अधिक से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड बनवाये जाये। गौआधारित प्राकृतिक खेती को बढावा दिया जायें। उन्होंने कृषक उत्पादक संगठन (एफ0पी0ओ0) के कार्यों की समीक्षा विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग इस वर्ष की कार्य योजना बनाकर अगली बैठक मे प्रजेन्टेंशन सहित उपस्थित हो।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, उपनिदेशक कृषि, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम तथा सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई मे सुनी 66 शिकायतें, निस्तारण के दिए निर्देश

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान

जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 66 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। पात्रो को योजनाओं का लाभ दिया जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पूनम भाष्कर व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहें।

विवाहिता लापता, आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के एक गांव से विवाहित युवती के मायके से लापता होने पर पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित पिता के अनुसार उसकी 18 वर्षीय विवाहित पुत्री 7 जनवरी की दोपहर 1 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी तलाश करने पर मालूम हुआ कि लोनार थाना क्षेत्र के ग्राम कनका पुर निवासी रामजी पुत्र बबलू अपने पिता और मां शांति के सहयोग से बहला-फुसलाकर कहीं भगा ले गया। पुत्री घर से लगभग 6 लाख रुपए के जेवर और धान बिक्री के घर में रखे तीस हजार रूपए नगद ले गई है। पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

मारपीट के आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिरदार नगर निवासी महिला ने मारपीट करने वाले आरोपी के विरुद्ध लिखित तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़िता वीरबाला पत्नी ब्रजेंद्र सिंह के अनुसार गांव निवासी सत्यवीर सिंह पुत्र बृजेंद्र सिंह ने 7 दिसंबर को उसकी जगह में से ट्रैक्टर ट्राली निकाला। मना करने पर आरोपी ने गाली गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर उसका पुत्र अनिरुद्ध बचाने आया तो विपक्षी ने उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला को पीटा, रिपोर्ट दर्ज कराई

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दिलेरगंज निवासी युवती ने मोहल्ले के ही कुछ दबंगों पर गाली गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए उनके विरुद्ध कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़िता रश्मि पत्नी पवन के अनुसार 3 जनवरी को सुबह 8 बजे पड़ोस की मंजू पत्नी पंकज, छोटू और चंदन पुत्र गण वीरेंद्र और भाई जी पुत्र दिलीप ने उसके दरवाजे पर आकर पुरानी रंजिश में उसे गाली गलौज किया। गाली देने से मना करने पर आरोपियों ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शीत लहर के दृष्टिगत पशु पालक पशुओं को सर्दियों से बचाव करे

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने पशु पालकों से अपील की है कि पशु/पक्षियों को आसमान के नीचे खुले स्थान में न बाधें/रखे। पशुओं को घिरी जगह एवं छप्पर/शेड से ढके हुए स्थानों में रखें। यह विशेष ध्यान रखें कि रोशनदान, दरवाजे एवं खिड़कियों को टाट/बोरे से आवश्यकतानुसार ढक दें, जिससे सीधी हवा का झोंका पशुओं तक न पहुंचें। पशु बाड़े में गोबर एवं मूत्र निकास की उचित व्यवस्था करें। मूत्र, जल भराव न होने दें। बिछावन में पुआल/लकड़ी का बुरादा/गन्ने की खोई आदि का प्रयोग करें। पशुओं को ताजा पानी पिलायें। पशुओं को जूट के बोरे का झूल पहनायें तथा ध्यान रखें कि झूल खिसके नही, अत: नीचें से जरूर बांध दें। आवश्यकतानुसार आग जलायें, इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अलाव पशुओं के बच्चे की पहुंच से दूर रखने के लिये पशु के गले में रस्सी बांधे जिससे की पशु अलाव तक न पहुंच सके। बाड़े में अलाव जलाने पर गैस बाहर निकलने के लिये रोशनदान खोल दें। संतुलित आहार पशुओं को दें। आहार में खली, दाना, चोकर की मात्रा बढ़ा दें। धूप निकलने पर पशु को अवश्य ही बाहर खुले स्थान पर धूप में खड़ा करें। नवजात बच्चों को खीस (कोलस्ट्रम) पिलायें, इससे बीमारी से लड़ने की क्षमता में वृद्धि होती है। प्रसव के बाद में मां को ठण्डा पानी न पिलाकर गुनगना पानी अजवाइन मिलाकर पिलायें। भेड़ बकरियों में पी0पी0आर0 बीमारी फैलने की सम्भावना बढ़ जाती है। अत: बीमारी से बचाव का टीका अवश्य लगवायें। गर्भित पशु का विशेष ध्यान रखें एवं प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा को ध्यान में रख कर ठण्ड/शीत लहर से बचाव करें। पशु से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की समस्या/असुविधा/जानकारी के लिए टोल फ्री नम्बर-1962 पर सम्पर्क करें।

30 वर्षो से उपेक्षित खेताहारी मार्ग पर शुरू हुआ डामर रोड निर्माण, किसान मजदूर संगठन की पहल लाई रंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बघौली (हरदोई)। क्षेत्र अंतर्गत गोपार पेट्रोल पम्प के पास से खेताहारी मार्ग, जो बीते लगभग 30 वर्षों से जर्जर अवस्था में था और स्थानीय ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ था, अब आखिरकार बनने लगा है। यह कार्य किसान मजदूर संगठन की सतत लगन, संघर्ष और जनहित में किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग वर्षों से कच्चा होने के कारण बरसात में कीचड़ से भर जाता था, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता था। स्कूली बच्चों, किसानों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई बार संबंधित विभागों को अवगत कराने के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। किसान मजदूर संगठन द्वारा इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रार्थना-पत्र के माध्यम से शासन एवं लोक निर्माण विभाग का ध्यान आकृष्ट कराया गया। संगठन के प्रयासों के परिणामस्वरूप अब इस मार्ग पर डामर रोड निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। इसकी पुष्टि स्वयं लोक निर्माण विभाग (PWD) के जूनियर इंजीनियर द्वारा की गई है।

इस अवसर पर किसान मजदूर संगठन के जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने क्षेत्रवासियों, संगठन के पदाधिकारियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत जनसहयोग और एकजुट संघर्ष की है। उन्होंने कहा कि संगठन भविष्य में भी किसानों, मजदूरों और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष करता रहेगा।

ग्रामीणों में सड़क निर्माण को लेकर खुशी का माहौल है और सभी ने किसान मजदूर संगठन के प्रयासों की सराहना की है।

कैंसर पीड़ित किसान ने फाँसी लगाकर दे दी जान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। किसान ने कैंसर और आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या कर ली हैं। पुलिस

ने शव को मौके से कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा हैं।

जानकारी के अनुसार हरपालपुर के सूरजूपुर गांव निवासी जगदीश पुत्र हरिराम का शव गुरुवार सुबह गांव के बाहर खेतों में पड़ी झोपड़ी में गमछे के सहारे फाँसी के फंदे पर लटकता मिला है। परिवरीजन घर पर दैनिक कार्यों में व्यस्त थे। खेत की तरफगए परिजनों ने झोपडी में गमछे के सहारे शव लटकता देखा।घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को मौके से कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक जगदीश के परिवार में पत्नी राजवती सहित एक पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। परिजनों के अनुसार, जगदीश पिछले कई सालों से कैंसर से पीड़ित थे। उनके इलाज में लाखों रुपये खर्च हो चुके थे। पत्नी राजवती ने बताया कि घर की जमा पूंजी और अन्य संसाधनों का उपयोग करने के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि शव को मौके से कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्यवाही जाएगी।

बार एसोसिएशन हरदोई चुनाव, अधिवक्ताओं में दिखा उल्लास और उत्साह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। बार एसोसिएशन वर्ष 2025-26 के चुनाव को लेकर आज मतदान शांतिपूर्ण ढंग से जारी है। कुल 22 पदों के लिए हो रहे इस चुनाव में अधिवक्ताओं के द्वारा बढ़.चढ़कर भागीदारी दिखाई जा रही है। मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदाताओं की आवाजाही हैए जिससे पूरे परिसर में चुनावी उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। दोपहर ०2:00 बजे तक कुल 1602 मतदाताओं में से 502 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। जैसे.जैसे दिन चढ़ रहा है और मौसम में गर्माहट बढ़ रही हैए वैसे.वैसे मतदान प्रतिशत में और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। चुनाव से जुड़े अधिकारी मतदान प्रक्रिया पर लगातार नज़र बनाए हुए हैं। मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी और भरोसेमंद बनाने के लिए मतदान कक्ष के बाहर एक बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई है। इस स्क्रीन पर भीतर चल रही पूरी चुनाव प्रक्रिया का सीधा प्रसारण दिखाया जा रहा है। इस व्यवस्था से मतदाताओं में भरोसा बढ़ा है और चुनाव को लेकर उत्सुकता भी बनी हुई है।

शिकायतकर्ता की अनुपस्थिति में तालाब की जांच करने पहुंचे ईओ लौटे

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। बेनीगंज नगर के अहिरन पासी टोला स्थित ईदगाह (कब्रिस्तान) के नजदीक नगर पंचायत द्वारा कराई जा रही तालाब की सफाई को लेकर की गई आइजीआरएस शिकायतों के सापेक्ष मौके पर पहुंचे अधिशासी अधिकारी संजय अग्रहरी ने क्षेत्रीय लेखपाल अनुपम राठौर को निर्देशित कर मामले की जांच की वहीं उन्होंने शिकायतकर्ताओं को फोन कर मौके पर बुलाने का प्रयास किया पर शिकायतकर्ताओं के बाहर होने की दशा में जांच लंबित रही।

मौखिक तौर पर पूछे जाने पर नगर पंचायत अध्यक्ष पुत्र प्रतिनिधि रूपेश अंजाना ने कहा कि नगर के कुछ लोगों द्वारा तालाब के कुछ हिस्से को कब्रिस्तान में मिलाए जाने के संदर्भ में जांच की मांग की गई थी। जिसको लेकर मौके पर पहुंचे अधिशासी अधिकारी ने बारीकी से मामले को समझते हुए शिकायतकर्ता की उपस्थिति में पुन: जांच किए जाने की बात कही है। बताते चलें कि उक्त गंदगी से युक्त विशाल तालाब की सफाई को लेकर शासन द्वारा स्वीकृत लगभग 40 लाख रुपयों से बीते कई सप्ताह पूर्व से तालाब के सौंदरीकरण एवं दोनों ओर सड़क के नवनिर्माण का कार्य चल रहा है। जो शासन द्वारा आदेशित नियम अनुसार कराया जा रहा है।

युवक को घायल करने वाले बाइक चालक पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। मझिला थाना क्षेत्र के ग्राम फत्तेपुर गाजी में खेत से घर लौट रहे पैदल युवक को बाइक से टक्कर मारकर घायल करने के मामले में घायल की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता निर्मला पत्नी राजेश गुप्ता के अनुसार उसका पति 14 दिसंबर की शाम 5 बजे खेत से पैदल घर आ रहा था। गांव निवासी रामजी पुत्र छोटेलाल ने बाइक तेज रफ्तार लाकर उसके पति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। इलाज के दौरान समझौते की बात चल रही थी। लेकिन आरोपी ने अब इलाज करवाने से इंकार कर दिया। पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब में बढ़ते अपराध

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब में सरेआम की जा रही लक्षित हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक शृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं। इस चिंताजनक होती स्थिति की वजह लगातार अपराधी गिरोहों के नेटवर्क का मजबूत होना, घातक हथियारों की सहज उपलब्धता और पुलिस बल पर लगातार बढ़ता दबाव भी है। दूसरी ओर विपक्षी दल आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलाए रहते हैं और राजनीतिक लक्ष्यों के लिये मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफ़े की मांग करते रहते हैं। वहीं सरकार इस संकट को अपने पूर्ववर्तियों द्वारा विरासत में छोड़ा गया बताते हैं। लेकिन एक हकीकत है कि इन बयानबाजियों से नागरिकों की असुरक्षा कम नहीं होती है। वहीं पंजाब के शीर्ष पुलिस अधिकारियों की दलील होती है कि पंजाब में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। लेकिन राज्य में बढ़ते अपराधों के संकट को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से जब हत्याएं राज्य के भीड़भाड़ वाले इलाकों में होती हैं तो लोगों का कानून व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। वहीं दूसरी ओर राज्य के पुलिस महानिदेशक की दलील है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ड्रोन के जरिये हथियार, गोला-बारूद और नशीले पदार्थ भेजकर सीमांत राज्य पंजाब के खिलाफ परोक्ष युद्ध छेड़े हुए है। निश्चय ही यह बात इस सीमावर्ती राज्य के लिये गंभीर चिंता का विषय है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के डीजीपी का पाक से अपराधियों को प्रश्रय देने वाला बयान चिंता बढ़ाने वाला है। खासकर उस राज्य के लिये, जिसने एक दशक तक उग्रवाद का सामना किया हो। लेकिन पंजाब के अपराध संकट के लिये केवल बाहरी कारकों को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। यह पुलिस विभाग की शिथिलता व खुफिया तंत्र की नाकामी के साथ सामाजिक विद्रूपताओं से भी उपजा संकट है। निस्संदेह, राज्य में अधिक बेरोजगारी है। बंदूक संस्कृति का महिमामंडन भी गंभीर चुनौती है। वहीं दूसरी ओर युवाओं में रातों-रात धनवान बनने का लालच भी स्थानीय व क्षेत्रीय गिरोहों के पनपने की गंभीर वजह है। इसके अलावा पुलिस विभाग की संरचना की भी कुछ विसंगतियां सामने आती हैं। मसलन पुलिस व्यवस्था में उच्च अधिकारियों की तो अधिकता है मगर फील्ड स्टाफ पर काम का बोझ जरूरत से ज्यादा है। इसके अलावा पुलिस के कामकाज में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी आरोप लगते रहे हैं। यही वजह है कि पुलिस, हासिल कुछ सफलताओं के बावजूद जनता का विश्वास जीतने के लिये संघर्ष कर रही है। लेकिन राजनीतिक बयानबाजियों से इतर राज्य सरकार को अपनी रणनीति में बदलाव लाकर धरातल पर गंभीर प्रयास करने होंगे। मौजूदा हालात में बहुआयामी रणनीति बनाने की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। इसके अंतर्गत पुलिस सुधार भी प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की जरूरत है, ताकि हाइटैक अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। इसके साथ ही अपराध नियंत्रण में केंद्रीय एजेंसियों से बेहतर तालमेल करने की भी जरूरत है। इसके अलावा बंदूकों पर लगाम लगाने के लिये कानून को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता होगी। राज्य में रोजगार के अवसरों में वृद्धि, कौशल विकास में व्यापक निवेश करने तथा भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास योजनाबद्ध ढंग से करने होंगे। ऐसे राज्य में जो एक दशक तक चरमपंथ की त्रासदी झेल चुका हो, अपराधियों के खिलाफ बड़ी मुहिम वक्त की मांग है। राज्य के सत्ताधीशों को चाहिए कि पंजाब द्वारा कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को गैंगस्टरों, ड्रग माफिया और आतंकवादियों के घातक गठजोड़ का शिकार कदापि नहीं होने दें।

> **दुस्साहसी हत्यारे अपने मंसूबों को अंजाम देकर साफ निकल जाते हैं। यह विडंबना ही है कि पंजाब में नये साल की शुरुआत दिनदहाड़े हुई हत्याओं की एक शृंखला के साथ हुई है। अब चाहे लुधियाना जिले में एक पूर्व कबड्डी खिलाड़ी की निर्मम हत्या हो या अमृतसर के मैरिज रिसॉर्ट में एक विधायक के करीबी सरपंच की गोली मारकर बेरहमी से हत्या, इनसे पता चलता है कि पंजाब के अपराधियों में कानून का भय नहीं रह गया। निश्चित रूप से ये घटनाएं पंजाब में गंभीर चुनौती बनती एक जटिल समस्या की ओर इशारा करती हैं।**

एक जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय और देश विरोधी गैंग सक्रिय

मृत्युंजय दीक्षित

माननीय सुप्रीमकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में फरवरी 2020 में उत्तर- पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मुख्य आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे। इसी केस में उमर और शरजील के 5 साथियों को 12 कड़ी शर्तो के साथ जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उमर और शरजील इमाम पर कड़ी टिप्पणियां करी हैं । अब ये दोनों अभियुक्त आने वाले एक साल में जमानत के लिए अपील भी नहीं कर पाएंगे। फरवरी 2020 के दिल्ली दंगे अत्यंत वीभत्स दंगो में से एक थे। इस दंगे में मारे गए 53 निर्दोष लोगों में एक युवा आईबी अधिकारी अंकित शर्मा, पौढ़ी गढ़वाल से पांच महीने पहले आया गरीब माता का बेटा दिलबर नेगी और दो पुलिस कर्मी भी शामिल थे। ऐसे कुख्यात दंगों के अपराधियों को जमानत न मिलने पर सर्व साधारण में संतोष का भाव है किन्तु कुछ लोग इस पर भी तुष्टीकरण की रोटियां सेंकते हुए उमर खालिद और शरजील इमाम के लिए न केवल आंसू बहा रहे हैं वरन अनर्गल प्रलाप भी कर रहे हैं। शरजील इमाम केवल दिल्ली दंगों का ही अपराधी नहीं है वरन चिकन नेक तोड़कर पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने कि बात करने वाला देशद्रोही है। शरजील इमाम भारत को खंड -खंड मे विभाजित देखना चाहता हैं। भारत के जो विपक्षी दलो ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत मिलने पर उसको सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं क्या वे इन विचारों से सहमत हैं? दरअसल उमर व शरजील के साथ खड़े लोग अपनी कुंठा और हताशा को ही जगजाहिर कर रहे हैं। इस कुंठित टोली मे कोई जमानत न मिलने को कायरता पूर्ण कार्रवाई कह रहा है तो कोई इसे बेतुका बता रहा है जबकि कोई इसे अत्याचार बता रहा है। एक ने तो सारी लज्जा त्यागते हुए इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन बता दिया। एक व्यक्ति ने कहा कि 5 साल से अधिक बिना किसी दोष साबित हुए जेल में रखना बर्बरता बता दिया। यह बात भारतीय जनमानस के समझने योग्य है कि इन सेक्युलर नेताओं को सुप्रीम कोर्ट का फैसला बर्बर लग रहा है। अमेरिकी अब्राहम लिंकन ने एक बार कहा था कि जो अदालतों के अधिकार व उनके फैसलों को नकारता है वह राष्ट्र की नींव को नकारता है। इस तुष्टीकरण गैंग से पूछा जाना चाहिए कि आज देश में 4 लाख 34 हजार 302 विचाराधीन कैदी हैं जो सजा पाए बिना जेल में बंद हैं। करीब 26 हजार ऐसे कैदी हैं जो 3 से 5 साल तक जेल में बंद हैं और करीब साढ़े 11 हजार ऐसे कैदी हैं जो 5 वर्षों से अधिक समय से जेल में बंद हैं। यह आंकड़े केवल 2020 तक के ही हैं। इंडिया जस्टिस रिपोर्ट- 2025 के अनुसार यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसमें भी अधिकांश बंदी जन गरीब, दलित अल्पसंख्यक व महिला समाज के हैं। इन कैदियों के लिए टुकड़े टुकड़े गैंग के समर्थकों का मन कभी नहीं छटपटाता है। यह लोग उन उमर खलिद और शरजील इमाम के लिए रो रहे हैं जिनकी जमानत के फैसले से पूर्व ही न्यूयार्क के मेयर ममदानी का एक आपत्तिजनक पत्र सार्वजनिक हो गया था। ममदानी के पत्र से पता चलता है कि भारत के खिलाफ कितनी गहरी साजिशें रची जा रही हैं। यूएपीए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया शरजील इमाम राष्ट्र द्रोही व घातक व्यक्ति है। चिंता का विषय है कि उमर खालिद और शरजील इमाम के बचाव में अदालत में जो लोग खड़े हुए हैं वह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं अपितु देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ काग्रेंस नेता और प्रभावशाली व्यक्ति हैं। इनमें कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, अश्विनी कुमार जैसे नाम शामिल हैं जिन्होंने कांग्रेस सरकार में बडे मंत्रालय संभाले। इसके अतिरिकत सिद्धार्थ दवे, सिद्धार्थ लूथरा, त्रिदीप पैइस भी इनके वकील रहे।प्रश्न यह उठता है कि क्या यह केवल कानूनी सहायता है या किसी विशेष मानसिकता का स्पष्ट संकेत? यह सब चल ही रहा था तभी बीच में जेएनयू के ढपली वालों ने आकर ताल से ताल मिला दी। दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की जमीन से एक बार फिर देश के विरुद्ध आपतिजनक नारे लगे। दस साल पूर्व भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशा अल्लाह -इंशा अल्लाह के नारे लगाए गए थे उसी जगह मोदी तेरी कब्र खुदेगी , अमित शाह तेरी कब्र खुदेगी खुदेगी जैसे आपत्तिजनक नारे लगाए गए। इस गैंग की नारेबाजी की वजह थी दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत की अर्जी का खारिज होना। कंाग्रेस व उसके अन्य विरोधी दलों के नेताओं ने इस प्रदर्शन व नारेबाजी को गुस्से ,नाराजगी के प्रकटीकरण का तरीका बता दिया। दिल्ली दंगो से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण बात यह है कि उस समय दिल्ली में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे। दंगो की जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि हिंसा अचानक नहीं हुई थी आप पार्षद ताहिर हुसैन और विधायक अमानतुल्लाह खान की इसमें बड़ी भूमिका थी, इनकी जांच प्रगति पर है और अभी कोई बरी नहीं हुआ है। केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते सरकारी तौर पर इन तत्वों को बचाने का पूरा प्रयास किया गया और उन्हीं की वजह से आज भी वह जमानत पर घूम रहे हैं। जब तक दिल्ली में केजरीवाल मुख्यमंत्री रहे तब तक उनकी ओर से दिल्ली दंगो की जांच में कोई सहयोग नहीं किया जा रहा था। अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में संभव है फरवरी 2020 के पीड़ितों को न्याय मिल जाए। **– मृत्युंजय दीक्षित**

> **फरवरी 2020 के दिल्ली दंगे अत्यंत वीभत्स दंगो में से एक थे। इस दंगे में मारे गए 53 निर्दोष लोगों में एक युवा आईबी अधिकारी अंकित शर्मा, पौढ़ी गढ़वाल से पांच महीने पहले आया गरीब माता का बेटा दिलबर नेगी और दो पुलिस कर्मी भी शामिल थे। ऐसे कुख्यात दंगों के अपराधियों को जमानत न मिलने पर सर्व साधारण में संतोष का भाव है किन्तु कुछ लोग इस पर भी तुष्टीकरण की रोटियां सेंकते हुए उमर खालिद और शरजील इमाम के लिए न केवल आंसू बहा रहे हैं वरन अनर्गल प्रलाप भी कर रहे हैं। शरजील इमाम केवल दिल्ली दंगों का ही अपराधी नहीं है वरन चिकन नेक तोड़कर पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने कि बात करने वाला देशद्रोही है। शरजील इमाम भारत को खंड -खंड मे विभाजित देखना चाहता हैं। भारत के जो विपक्षी दलो ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत मिलने पर उसको सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं क्या वे इन विचारों से सहमत हैं? दरअसल उमर व शरजील के साथ खड़े लोग अपनी कुंठा और हताशा को ही जगजाहिर कर रहे हैं। इस कुंठित टोली मे कोई जमानत न मिलने को कायरता पूर्ण कार्रवाई कह रहा है तो कोई इसे बेतुका बता रहा है जबकि कोई इसे अत्याचार बता रहा है।**

स्मृति शेषः कथा जगत को सूना कर गए ज्ञानरंजन

मुकुंद

साहित्यिक पत्रिका पहल के संपादक और प्रख्यात कथाकार ज्ञानरंजन कथा जगत को सूना कर गए। 07 जनवरी की रात जबलपुर में 90 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। इसी के साथ हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण युग का अवसान हो गया है। ज्ञानरंजन को अप्रतिम कथाकार और यशस्वी संपादक के रूप में जाना जाता है। उनके जाने से देश की प्रगतिशील साहित्यिक चेतना की सशक्त आवाज शांत हो गई। साठोत्तरी कहानी आंदोलन के प्रमुख हस्ताक्षर ज्ञानरंजन का जन्म 21 नवंबर 1936 को हुआ था। वरिष्ठ साहित्यकार रामनाथ सुमन के पुत्र ज्ञानरंजन ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा हासिल करने के बाद जबलपुर के प्रतिष्ठित जीएस कॉलेज में हिंदी के प्रोफ़ेसर के रूप में अध्यापन किया। उनकी पहली कहानी 'दिवास्वप्नी' लिखी। इसके बाद 'कबाड़खाना', 'क्षणजीवी', 'सपना नहीं', 'फेंस के इधर और उधर' और 'प्रतिनिधि कहानियां' जैसे संग्रहों के माध्यम से उन्होंने हिंदी कथा साहित्य में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी कहानियां काव्यात्मकता, भाषा के अनूठे प्रयोग, तीखे तेवर और नई शैली के लिए चर्चित रहीं।ज्ञानरंजन 'चार यार' के रूप में प्रसिद्ध साठोत्तरी पीढ़ी के समूह का हिस्सा रहे। इन चार यारों में दूधनाथ सिंह, काशीनाथ सिंह, रवींद्र कालिया और 'वह' हैं। उन्होंने लगभग 35 वर्ष तक पहल संपादन और प्रकाशन किया। उन्हें सोवियत लैंड नेहरू अवार्ड, साहित्य भूषण सम्मान, शिखर सम्मान, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान और ज्ञानपीठ का ज्ञानगरिमा मानद अलंकरण सहित अनेक प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। उनकी कहानियों का भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद हुआ और वे कई विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल हैं। उनके जीवन और कृतित्व पर दूरदर्शन एक फिल्म का निर्माण भी कर चुका है। ज्ञानरंजन ने 'पिता', 'अमरूद' जैसी कहानियों में मध्यवर्गीय जीवन की आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक जटिलताओं को जीवंत किया। उनकी कहानियां समाज के सभी वर्गों के मनोभाव की गहरी पड़ताल करती हैं। ज्ञानरंजन के छह कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं। इनकी कहानियों की कुल संख्या 25 है। यह 'सपना नहीं' संकलन में एकत्र हैं। उनकी अनूठी गद्य रचनाओं की एक किताब कबाड़खाना बहुत लोकप्रिय हुई। उन्होंने कहानियों के अतिरिक्त भी साहित्य की कई विधाओं में लेखन किया। ज्ञानरंजन की कहानियों भारतीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त ओसाका, लंदन, सैन फ्रांसिस्को, लेनिनग्राद, और हाइडेलबर्ग आदि के अनेक अध्ययन केंद्रों के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। आखिरी पलों में जबलपुर में ज्ञानरंजन के पास रहे कृष्णकांत वर्मा 'टिल्लू' फोन करते ही रो पड़े। टिल्लू की बड़ी बेटी बोल्गा की शादी में ज्ञानरंजन और उनकी पत्नी रातभर रुके थे। तब इस बकलम की उनसे लंबी मुलाकात हुई थी। यह कुछ साल पहले की बात है। वो तब मौजूदा कथा परिदृश्य से काफी निराश लग रहे थे। विचारोत्तेजक कहानियों की कमी उन्हें साल रही थी। वह पहल के प्रकाशन को स्थगित करने के अपने फैसले को भी कोस रहे थे। फिर बोले-जो हुआ, अच्छा ही हुआ। सुबह जाते वक्त बोल गए थे, अगली दफा जबलपुर आएं तो '101, रामनगर, आधारताल' जरूर आएं। यही उनका और पहल का पता ठिकाना था। ताकीद किया था कि टिल्लू को भी साथ में ले आना। अफसोस तब से जबलपुर ही जाना न हो सका। टिल्लू हमारे देशबंधु की नौकरी के समय एकमात्र साथी हैं। उनसे पहल और ज्ञानरंजन जी के खूब किस्से सुने हैं। फ़ेसबुक में शोकाकुल उनके प्रशंसकों और परिचितों में वरिष्ठ पत्रकार सुनील श्रीवास्तव भी हैं। उन्होंने लिखा, '' पत्रकार और रंगकर्मी राकेश दीक्षित और अनिल रंजन भौमिक के पोस्ट से दुखद खबर मिली कि आदरणीय ज्ञानरंजन जी हम सब को छोड़ कर चले गए। कब-कैसे मालूम नहीं हो सका। साठोत्तरी पीढ़ी के सबसे सशक्त रचनाकार और पहल के माध्यम से साहित्यिक और प्रगतिशील सोच को सशक्त मंच देने वाले ज्ञान जी से उनकी रचनाओं के माध्यम से तो बहुत पहले से ही साक्षात्कार हो चुका था , लेकिन जब 1981 में धर्मयुग छोड़कर हितवाद में काम करने जबलपुर गया तब उनको बहुत नजदीक से जानने का अवसर मिला। न सिर्फ अवसर बल्कि स्नेह भी भरपूर मिला जो अब तक मिलता रहा । न जाने कितने लेखकों को उन्होंने न सिर्फ मंच दिया, बल्कि उन्हें साहित्य का मुकम्मल जहां भी दिया। सुनील श्रीवास्तव कहते हैं, ''मृत्यु की खबर मिलते ही मैंने जब प्रकाश चन्द्रायन को नागपुर फोन किया तो उन्होंने बताया कि अभी साढ़े दस बजे उनकी मृत्यु हुई। पांच दिसम्बर को वह बेटे शांतनु (पाशा) के पास से जबलपुर गए थे। अमेरिका से उनकी बेटी भी आ गई थी। अभी कुछ महीनो पूर्व मैंने सम्पर्क करने की कोशिश की तो उनकी तबीयत खराब थी। मुझे याद आ रहा है वह दिन जब वह अकसर जब नागपुर में होते थे, तो लोकमत जरूर आते थे और प्रकाश जी, हम और ज्ञान जी खूब बातें करते थे, जिसमें सभी विषय शामिल होते। प्रकाश जी ने उनसे कुछ न- न करते भी लिखवा ही लिया करते थे। भाऊ समर्थ भी बहस में शामिल होते थे। भाऊ से भी मेरी पहचान ज्ञान जी ने ही कराई थी। वरिष्ठ पत्रकार सुनील श्रीवास्तव लिखते हैं, ''मुझे याद आ रहा है कि जबलपुर में उनका घर कैसे साहित्यिक गतिविधियों का केंद्र बना था। भागवत रावत हों या कमला प्रसाद जब भी उनके यहां आते थे तो साहित्यिक उत्सव अपने आप बन जाता था। बाबा या कोई अन्य रचनाकार जब बाहर से आता था तो ज्ञान जी ही जबलपुर में उनका स्वागत करते थे। जब उत्सव शमशेर का आयोजन ज्ञान जी ने किया था, तब बाबा उन्हीं के यहां रुके थे। एक कमरा ऊपर का हरी भटनागर को दिया था। त्रिलोचन जी भी संभवत उन्हीं के यहां रुके थे। तब परसाई जी जिंदा थे और उत्सव शमशेर में शामिल भी हुए थे।सच तो यह था कि ज्ञान जी जबलपुर में होने वाली साहित्यिक -सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र थे। भाभी जी भी उनके साथ उनका पूरा सहयोग करती थीं। साठोत्तरी पीढ़ी का अंतिम स्तम्भ भी गिर गया। इसकी भरपाई अब न हो सकेगी। ज्ञानरंजन जी को अंतिम सलाम करता हूं।

> **ज्ञानरंजन के छह कहानी संग्रह प्रकाशित हुए हैं। इनकी कहानियों की कुल संख्या 25 है। यह 'सपना नहीं' संकलन में एकत्र हैं। उनकी अनूठी गद्य रचनाओं की एक किताब कबाड़खाना बहुत लोकप्रिय हुई। उन्होंने कहानियों के अतिरिक्त भी साहित्य की कई विधाओं में लेखन किया। ज्ञानरंजन की कहानियों भारतीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त ओसाका, लंदन, सैन फ्रांसिस्को, लेनिनग्राद, और हाइडेलबर्ग आदि के अनेक अध्ययन केंद्रों के पाठ्यक्रमों में शामिल हैं।**

अवैध कब्जे और बेघर होता भारतः एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

ललित गर्ग

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे 'वैधता' का भ्रम पैदा करने लगता है। इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरुआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है। विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरुआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके। समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती?

> **अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है।**

जिलाधिकारी ने जल निगम सिंचाई एवं नल को विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज एन.आई.सी. सभागार में जल निगम, सिंचाई एवं नलकूप विभाग द्वारा संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में जल-जीवन मिशन के अंतर्गत ओवरहेड टैंक निर्माण, पाइपलाइन बिछाने, कनेक्शन तथा पाइपलाइन कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने कार्यदायी फर्मों बाबा एवं जे.एम.सी. को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये।

फर्म बाबा के कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) को फर्म के विरुद्ध जुर्माना सहित आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिशासी अभियंता जल निगम एवं सभी सहायक अभियंताओं का वेतन रोकने के निर्देश भी दिये गये।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी एक माह के भीतर पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सभी सड़कों की मरम्मत का कार्य पूर्ण कराया जाए। जिन ग्रामों में पेयजल आपूर्ति प्रारम्भ हो चुकी है, वहां निरंतर एवं सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। सिंचाई विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये जिससे किसानों को सिंचाई में कठिनाई न हो। आई.जी.आर.एस. के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर अधिशासी अभियंता, सिंचाई से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए।

नलकूप विभाग की समीक्षा में यांत्रिक एवं विद्युत दोष के कारण बंद नलकूपों को शीघ्र ठीक कराकर उनकी क्रियाशीलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने बी. डी. ओ. को प्रभावी जनसुनवाई एवं मौके पर जाकर शिकायतों के निस्तारण के दिये निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में ग्राम्य विकास विभाग के कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत 100 दिवस रोजगार उपलब्ध कराने तथा मानव-दिवस सृजन में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश उपायुक्त मनरेगा को दिये। निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं अन्नपूर्णा भवनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एन.आर.एल.एम.) की समीक्षा के दौरान उन्होंने समूह गठन, रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि एवं कैश क्रेडिट लिंकेज में लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अधूरे आवासों का निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिये। साथ ही सभी खण्ड विकास अधिकारियों से कहा कि जन-सुनवाई को प्रभावी बनाया जाए तथा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण राहत मिल सके।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वच्छ भारत मिशन की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने उदयन सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने व्यक्तिगत शौचालयों की रेट्रोफिटिंग हेतु कराए जा रहे सर्वे की समीक्षा करते हुए जिला पंचायतराज अधिकारी को अवशेष 340 लाभार्थियों के शौचालयों का सत्यापन कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही व्यक्तिगत शौचालयों के रेट्रोफिटिंग कार्य के लिए अवशेष 29,805 मामलों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के भी निर्देश दिये। आर.आर.सी. के संचालन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी आर.आर.सी. सेंटरों का नियमित संचालन सुनिश्चित कराने तथा प्रत्येक सेंटर पर पंजिका बनवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में 5-5 ग्राम पंचायतों को चिन्हित कर वहाँ कूड़ा गाड़ी (ई-रिक्शा) की व्यवस्था, आवश्यक कार्मिकों की उपलब्धता, ग्राम से निकलने वाले कूड़े का आंकलन, यूजर चार्ज, आर.आर.सी. सेंटर तक पहुंचने वाले कूड़े का विवरण पंजिका में दर्ज कराने तथा विक्रय हेतु कबाड़ी से समन्वय जैसी कार्यवाहियां सुनिश्चित की जाएं। इन सभी बिंदुओं पर नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गये।

आर.आर.सी. सेंटरों के समुचित रूप से क्रियाशील न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला पंचायतराज अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। सामुदायिक शौचालयों की समीक्षा के दौरान उन्होंने सभी सामुदायिक शौचालयों की क्रियाशीलता सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समयावधि में उन्हें खुला रखने के निर्देश दिए। साथ ही 'जीरो पावर्टी' के अंतर्गत शौचालय विहीन लाभार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर आच्छादित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हनुमंत कथा में भागीदारी को घर-घर पहुंच कर वितरित किए अक्षत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के प्रचार अभियान ने पकड़ी रफ्तार

बांदा। मवई बाईपास चौराहा पर अगले माह 16 से 20 जनवरी तक आयोजित हो रही हनुमंत कथा की तैयारियां तेज हो गईं। कथा को लेकर बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन के प्रचार अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। फाउंडेशन कार्यकर्ता शहर से लेकर गांवों तक अभियान चलाकर हनुमंत कथा में भागीदारी को घर-घर पहुंच कर पीले चावल (अक्षत) वितरित कर रहे हैं। जन-जन तक अक्षत बांट कर लोगों को कथा में शामिल होने का आमंत्रण दिया।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर धाम) 16 से 20 जनवरी तक हनुमंत कथा सुनाएंगे। हनुमंत कथा को लेकर आयोजक व बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन संस्थापक प्रवीण सिंह ने गुरुवार को सहयोगियों के साथ बिसंडा ब्लाक अंतर्गत बिलगांव, अजीतपारा, उमरेहंडा, पवई, इटरा, नाई व हस्तम समेत सदर तहसील क्षेत्र के ब्रहम डेरा, बड़ा डेरा, टिकरी, रघुवंशी डेरा, कनवारा व पिपरी आदि गांवों में जोरदारी के साथ प्रचार अभियान चलाया। सभी को बांदा के मवई बाइपास में 16 जनवरी से आयोजित हनुमंत कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ लेने के लिए अक्षत वितरित किए। इस दौरान लोगों में हनुमंत कथा के प्रति उत्साह नजर आया। कथा आयोजक व बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन संस्थापक ने सभी का आभार व्यक्त किया। कहा कि हनुमंत कथा बुंदेलखंड के लिए सौभाग्य का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि समाज के हर वर्ग, संस्थाओं और युवाओं का यह प्रयास आयोजन को सफल बनाएगा। बुंदेलखंड यूथ फाउंडेशन और विभिन्न समितियां कथा की जानकारी और निमंत्रण हर घर तक पहुंचाने के लिए सक्रिय हैं।

रंग लाई सदर विधायक की पहल, सीएम योगी ने दिए नीलामी रोकने के निर्देश

● विकास प्राधिकरण ने तय की थी शहर के राइफल क्लब मैदान की नीलामी की तारीख

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष समेत सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने कड़ा विरोध जताया था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। सियासत की उठा पटक के बीच आखिरकार एक बार फिर से सदर विधायक ने बाजी मार ली है। जहां एक ओर शहर के एकमात्र खेल मैदान राइफल क्लब की नीलामी पर रोक लगाने के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष समेत सभी सियासी दलों के लोग विरोध प्रदर्शन और आंदोलन की राह पर चल रहे थे, वहीं सदर विधायक ने मैदान बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर विरोधियों के मंसूबों पर पानी फ़ेर दिया है। विधायक ने गुरुवार को लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव से मुलाकात की और मैदान की नीलामी पर रोक का मास्टर स्ट्रोक खेल दिया। हालांकि अभी तक नीलामी रोके जाने को लेकर कोई सरकारी आदेश जारी नहीं हुआ है।

शहर के एकमात्र खेल मैदान राइफल क्लब को नीलाम करने को लेकर जैसे ही बांदा विकास प्राधिकरण ने नोटिस प्रकाशित कराई तो शहर के खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों समेत सभी सियासी दलों के लोगों में उबाल आ गया। राइफल क्लब की नीलामी रोकने को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर विरोध की आग में घी डालने का काम किया और एक के बाद एक सभी राजनीतिक दलों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर कांग्रेसियों ने सांकेतिक धरना देकर मुहिम को रंग दिया तो समाजवादियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन कर प्रदेश की योगी सरकार को आड़े हाथों लिया। वहीं केंद्र सरकार की सहयोगी जनता दल यूनाइटेड की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी पटेल ने 15 जनवरी से राइफल क्लब में आमरण अनशन शुरू करने का ऐलान कर दिया। इतना ही नहीं बबेरू से सपा विधायक विशंभर सिंह यादव ने मुद्दे को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी नियम-51 के तहत उठाया, जिस पर विधानसभा सचिवालय की ओर से प्रदेश सरकार से 30 दिन के अंदर जवाब तलब किया गया है। विरोधियों के तेज होते सुर जब सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी के कानों तक पहुंचे तो उन्होंने बिना देर किए प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा और राइफल क्लब की वस्तुस्थिति से रूबरू कराते हुए नीलामी रोकने और मैदान को खेल व खिलाड़ियों के सुरक्षित करने की मांग उठाई। विधायक प्रकाश इतने पर ही नहीं रुके, उन्होंने गुरुवार को राजधानी पहुंचकर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद से मुलाकात की और राइफल क्लब की प्रासंगिकता बताते हुए खेल मैदान के रूप सुरक्षित रखने की बात कही। जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राइफल क्लब की नीलामी रोकने के निर्देश जारी कर दिए। हालांकि अभी इस आदेश पर सरकारी मुहर लगनी बाकी है। मुख्यमंत्री के निर्देश से संबंधित जानकारी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और लोग विधायक के प्रयासों की जमकर सराहना कर रहे हैं।

124 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, चार आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● पुरवा और बीघापुर क्षेत्र में आबकारी विभाग व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

उन्नाव। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 124 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। इस दौरान चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्र ने बताया कि यह कार्रवाई आबकारी निरीक्षक निशांत सिंह (क्षेत्र-4, पुरवा) एवं प्रतिभा सिंह (क्षेत्र-5, बीघापुर) द्वारा हमराह स्टाफ एवं स्थानीय पुलिस बल के साथ की गई। टीम ने तहसील पुरवा अंतर्गत ग्राम जेरा (थाना मौरावां) तथा तहसील बीघापुर अंतर्गत ग्राम गढ़ाकोला एवं कटहर (थाना पुरवा) में दबिश दी। दबिश के दौरान मौके से कुल 124 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई। साथ ही शराब बनाने में प्रयुक्त लगभग 250 किलोग्राम लहन महुआ को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेजा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के निर्माण और बिक्री के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त अभियान जारी रहेगा।।

ग्राम सभा की जमीन की जांच पर उठे सवाल, राजस्व टीम की कार्यप्रणाली विवादों में

शुक्लागंज। नगर के मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली क्षेत्र में ग्राम सभा की बेशकीमती भूमि पर भू-माफियाओं के अवैध कब्जे की शिकायत के बाद शुरू हुई जांच विवादों में घिर गई है। आईजीआरएस पोर्टल पर की गई शिकायतों के आधार पर गठित राजस्व विभाग की छह सदस्यीय टीम की कार्यप्रणाली पर क्षेत्रीय लोगों और शिकायतकर्ताओं ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। परसमुख खेड़ा निवासी कमलेश ने बीते 26 दिसंबर को आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि ग्राम सभा मझरा पीपरखेड़ा एहतमाली की भूमि संख्या 454 और 455 पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा किया जा रहा है। इसी क्रम में शक्ति नगर निवासी दिव्या अवस्थी ने भी भूमि संख्या 417 (रकबा लगभग 29 बीघा 5 बिस्वा) पर अवैध कब्जे की शिकायत की थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सहायक अभिलेख अधिकारी ने सर्वे कानूनगो प्रेमप्रकाश के नेतृत्व में छह लेखपालों की एक विशेष टीम का गठन किया।

युद्ध रीति-नीति नव अग्निवीर का बालिकाओं ने किया प्रदर्शन

● सर्वश्रेष्ठ छात्राओं को पदोन्नति देकर सौंपी गईं जिम्मेदारियां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। अखंड हिंद फौज (एएचएफ) के छह दिवसीय प्रारंभिक सैन्य प्रशिक्षण शिविर के अंतिम दिन बालिकाओं ने मार्च पास्ट के साथ युद्ध रीति-नीति, पिरामिड तथा अग्निवीर का हैरतनाक प्रदर्शन किया। शिविर में कानपुर तथा मध्य प्रदेश के लगभग 20 जिलों से 200 छात्राओं तथा 28 सीनियर कमांडर्स ने भागीदारी की। शिविर के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पदोन्नति देकर नई जिम्मेदारी सौंपी गई। सदर तहसील क्षेत्र के गुरेह गांव स्थित स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय में अखंड हिंद फौज का बालिका वर्ग का छह दिवसीय प्रारंभिक सैन्य प्रशिक्षण शिविर गुरुवार को खत्म हो गया। समापन सत्र में बालिकाओं ने मार्च पास्ट करते हुए युद्ध रीति-नीति, पिरामिड तथा अग्निवीर का हैरतअंगेज प्रदर्शन किया। सहायक पुलिस अधीक्षक मेविस टाक ने बालिकाओं के प्रदर्शन को सराहा। कहा कि प्रशिक्षार्थियों ने इतनी कम उम्र में कुछ सीखकर समाज को एक नया नजरिया दिया है। यह प्रदर्शित किया है कि बेटियों भी कार्य असंभव नहीं होता यदि दृढ़िनश्चय हो। बेटियां समाज में उत्कृष्ट प्रदर्शन, समाज के उद्धार तथा एक देश की गरिमा एवं सम्मान तथा भविष्य निर्माण का भी कार्य करती हैं। इस मौके पर अखंड हिंद फौज राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.ओमप्रकाश अवस्थी, बालक-बालिका वर्ग प्रदेशाध्यक्ष भोलू, प्रदेश कमांडर नरेंद्र, प्रांत कमांडर यश, कंपनी कमांडर रोहित, योगेंद्र, शैलेंद्र, श्रजल, ध्रुव, ओम व अन्य सीनियर कमांडर्स तथा 200 कैडेट्स उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों को बांटे कंबल

नरैनी। कड़ाके की ठंड के बीच समाजसेवी हरिओम शुक्ला ने पनगरा गांव में जरूरतमंदों को कंबल वितरित करके सहारा दिया। कंबल पाकर गरीबों के चेहरों पर मुस्कान तैर गई। गांव स्थित बड़े तालाब के पास हनुमान मंदिर में करीब पांच सैकड़ा गरीब महिला-पुरुषों व बुजुर्गों को कंबल बांटे। इस मौके पर देवीदीन शुक्ला, विनोद द्विवेदी, रविओम शुक्ला, मयंक तिवारी, सत्यम मिश्रा, राकेश यादव, विनोद मिश्रा, भगवानदीन यादव, रतिराम प्रजापति समेत तमाम लोग शामिल रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली" निविदा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा० पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है–

क्रम सं.-1, निविदा सं: वमविइ-लख०-50-2025, कार्य का विवरण: लखनऊ डिवीजन के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर 30 प्रतिशत और 70 प्रतिशत प्रकाश की व्यवस्था करने का प्रावधान। अनुमानित लागत ₹ 1,05,53,659.45, बयाना राशि ₹ 2,02,800/-, निविदा मूल्य: ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधि 06 माह। क्रम सं.-2, निविदा सं: वमविइ-लख०-52-2025, कार्य का विवरण: गोण्डा लोको शेड में स्टोर डिपो के बुनियादी ढांचे में सुधार, बीयूडब्लू, टीकेयूआर, एलडीएल, बीएनवाई और एनडीपी स्टेशन पर शंटिंग कार्य और कू स्टाफ की आवाजाही के लिये मार्ग का प्रावधान, एलएचएस बिल्डिंग पर पारंपरिक प्रकार के सीलिंग फैन के स्थान पर बीएलडीसी फैन का प्रावधान, गोमती नगर के दोनों ओर, बभनान और बुढ़वल जंक्शन स्टेशन पर दिशात्मक और सूचनात्मक साइनेज का प्रावधान। अनुमानित लागत ₹ 66,64,741.44, बयाना राशि ₹ 1,33,300/-, निविदा मूल्य: ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधि 06 माह। क्रम सं.-3, निविदा सं: वमविइ-लख०-53-2025, कार्य का विवरण: गोण्डा डिपो में सेमेरा, मिश्रा और साहबगंज रेलवे कॉलोनी में बिजली आपूर्ति प्रणाली में सुधार से संबंधित विद्युत कार्य। अनुमानित लागत ₹ 3,15,62,726.08, बयाना राशि ₹ 3,07,800/-, निविदा मूल्य: ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधि: 06 माह।

• उक्त निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय 30-01-2026 को 15:00 बजे।

नोट– इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in को देखें। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य

मुख्यालि/विद्युत-242 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

19 ग्राम विकास अधिकारियों से 1.19 करोड़ की रिकवरी, वेतन से होगी कटौती

● 2017-18 की ऑडिट रिपोर्ट में सामने आई थीं पंचायतों की वित्तीय अनियमितताएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। पंचायत स्तर पर हुई गंभीर वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। वर्ष 2017-18 की ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर जिले के आठ विकास खंडों में कार्यरत रहे 19 ग्राम विकास अधिकारियों/ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों से कुल 1 करोड़ 19 लाख 78 हजार 633 रुपये 95 पैसे की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। यह राशि संबंधित अधिकारियों के वेतन से काटी जाएगी।

ऑडिट रिपोर्ट में विकास कार्यों, सामग्री क्रय, भुगतान और अन्य मदों में गड़बड़ियों की पुष्टि हुई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी ने रिकवरी आदेश पारित किया है। यह कार्रवाई जिला विकास अधिकारी देव कुमार चतुर्वेदी के निर्देश पर की गई है। जिला विकास अधिकारी ने बताया कि सभी संबंधित खंड विकास अधिकारियों को पत्र भेज दिए गए हैं, जिनमें दोषी ग्राम विकास अधिकारियों के नाम, संबंधित ग्राम पंचायत और निर्धारित धनराशि का पूरा विवरण शामिल है, ताकि वसूली की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से पूरी हो सके। हसनगंज ब्लॉक में सबसे अधिक रिकवरी हसनगंज विकास खंड में सबसे अधिक वसूली प्रस्तावित की गई है। इसमें आदमपुर बरेठी के संदीप यादव से 2.89 लाख रुपये, रानीखेड़ा खालास के अनिल शर्मा से 10.75 लाख रुपये, अजमतगढ़ी के संदीप यादव से 1.02 लाख रुपये, जसमड़ा बब्बन के संदीप यादव से 1.12 लाख रुपये, रसूलपुर बकिया के संदीप यादव से 20.58 लाख रुपये की रिकवरी शामिल है। सफीपुर ब्लॉक में मऊ मंसूरपुर और जुझारपुर में तैनात रहे ग्राम पंचायत विकास अधिकारी महेंद्र भूषण सक्सेना से क्रमशः 12,291.50 रुपये और 12,187.05 रुपये की वसूली के आदेश दिए गए हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी धन के दुरुपयोग को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऑडिट के आधार पर दोषियों पर इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

निवर्तमान भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने समाचार पत्र वितरकों का किया सम्मान

● कड़ाके की ठंड में सेवा दे रहे वितरकों को गर्म टोपी, दस्ताने व कैलेंडर भेंट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। कड़ाके की ठंड के बीच भी अलसुबह घर-घर समाचार पत्र पहुंचाने वाले वितरकों के सम्मान में भारतीय जनता युवा मोर्चा, उन्नाव के निवर्तमान जिलाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा 'भानू' ने एक सामाजिक पहल की। इस दौरान उन्होंने नगर के विभिन्न वार्डों में कार्यरत समाचार पत्र वितरकों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनके परिश्रम की सराहना की। प्रवीण मिश्रा 'भानू' ने कहा कि समाचार पत्र वितरक केवल अख़बार नहीं पहुंचाते, बल्कि समाज में जागरूकता और सूचना के प्रसार में अहम भूमिका निभाते हैं। कड़ाके की ठंड और सर्द हवाओं के बावजूद अपने दायित्व का निर्वहन करने वाले ये वितरक समाज के लिए महत्वपूर्ण सेवा कर रहे हैं।

इस मौके पर धर्मेंद्र अवस्थी, सूरज भदौरिया, वितरक संघ अध्यक्ष विष्णु गुप्ता, मंत्री अतुल बाथम, कोषाध्यक्ष जितेंद्र कुशवाहा, सागर पंडित, शीबू, विनय पंडित, सतीश, धीरज, जेपी, विनोद दीक्षित, शिवप्रकाश, विकास, पिंटू, दीपू, राधेश्याम, साहिल, कृष्णा, आयुष, अनुज कश्यप, शार्दूल शुक्ला, आयुष्मान सिंह, राहुल, लक्की सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को सामाजिक सरोकार से जुड़ा कदम बताया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि 30.01.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध ऑनलाइन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद एवं एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

1	निविदा सूचना संख्या	00202026 दिनांक 08.01.2026
2	निविदा संख्या	29-Sr.DEN-VI-LKO/2025-26
3	कार्य का नाम	सहायक मण्डल इंजीनियर-प्रथम के अन्तर्गत PRG-FYGS स्टेशनों के बीच KM 1/20-22 पर अतिक्रमण वाली जगह पर फुट ओवर ब्रिज के प्रावधान के संबंध में सिविल कार्य।
4	अनुमानित लागत	रु. 94,04,198.21
5	धरोहर राशि	रु. 1,89,100.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह
7	निविदा डालने का प्रारंभ	16.01.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	30.01.2026, 15:00 बजे
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट:– 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 93/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा नोटिस का प्रथम संशोधन

खुली निविदा सूचना सं. टीआरडी-20 सीनि०डी०ई०ई०– लखनऊ –25 दिनांक 31.12.2025 में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं:

1.	ई निविदा सूचना संख्या	टीआरडी-20-सीनि० डी०ई०ई०– लखनऊ-25
2.	कार्य का नाम	फाफामऊ स्टेशन पर लाइन संख्या 4 और 5 के दोनों सिरों पर ट्रैक और टर्न आउट में गड़बड़ी को ठीक करने के कारण ओएचई का संशोधन कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 47,13,101.91
4.	बयाना राशि	रु. 94,300.00/-
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 माह
6.	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 30.01.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
7.	प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।
9.	पात्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: निविदाकर्ता अपने ऑफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं०: टीआरडी-20-सीनि०डी०ई०ई०-लखनऊ-25 दिनांक 31.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 78/26

नेपाल में चुनाव कराने को लेकर भारत-नेपाल के अफसरों की बैठक

- सीमा पर विशेष निगरानी और अपराध नियंत्रण पर जोर
- जिला प्रशासन, पुलिस और एसएसबी करेंगे नेपाल का हर संभव सहयोग
- भारत-नेपाल का रिश्ता सिर्फ सीमा तक सीमित नहीं, यह 'रोटी-बेटी' का अटूट बंधन है : डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। नेपाल में आगामी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव 2026 के चुनाव को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को भारत-नेपाल समन्वय समिति की बैठक नेपाल में सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। बैठक में दोनों देशों ने चुनाव के दौरान सूचना आदान-प्रदान और सहयोग को सुनिश्चित करने पर सहमति जताई। इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत की ओर से लखीमपुर खीरी और नेपाल की ओर से कैलाली एवं कंचनपुर अंचल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। अधिकारियों ने भरोसा जताया कि चुनाव के दौरान पूर्ण सहयोग और साझा सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। बैठक की शुरुआत में दोनों देशों के अधिकारियों ने अपना परिचय दिया। बैठक में चुनाव के मद्देनजर सीमा पर चौकसी बरतने, अपराधियों पर लगाम लगाने सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में अधिकारियों ने चुनाव के मद्देनजर सीमा पर विशेष निगरानी रखने की बात कही। साथ ही मादक पदार्थों की तस्करी, अपराधियों की धरपकड़ सीमा के दोनों तरफ कैसे की जाए जिससे अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर अपराधियों को संरक्षण ना मिल सके आदि महत्पूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर कार्ययोजना बनाई। इस चुनावी पर्व पर सहयोग की अपेक्षा करते हुए सीडीओ कैलाली हीरालाल रेग्मी और सीडीओ कंचनपुर मदन कोइराला ने कहा कि जितना सहयोग मिलेगा उतना चुनाव कराने में आसानी होगी। हमारे संबंध अच्छे थे और भविष्य में भी बेहतर रहेंगे। भारत और नेपाल के संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक बंधनों से जुड़े हैं। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने नेपाल के अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और नेपाल का रिश्ता केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों से जुड़ा है। उन्होंने इसे ल्ररोटी-बेटी का रिश्ताङ्क बताते हुए दोनों देशों के अटूट बंधन पर जोर दिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान शांति, सुरक्षा और प्रशासनिक समन्वय सुनिश्चित करना है। उन्होंने भरोसा जताया कि जिला प्रशासन, पुलिस और एसएसबी नेपाल के अधिकारियों को हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। डीएम ने कहा कि इस संवाद से सीमा सुरक्षा और अपराध नियंत्रण और मजबूत होंगे और सीमावर्ती जनता को सुरक्षित और सहयोगपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था मिलेगी। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि, सूचना का रियल टाइम आदान-प्रदान, और आपात सेवाओं की निर्बाध आवाजाही प्राथमिकताएं रहेंगी। एएसपी पवन गौतम ने कहा कि भारत की ओर से पेट्रोलिंग सतत जारी है। हम नेपाल की ओर से मिलने वाली सूचनाओं पर क्विक रेस्पॉन्ड करेंगे।

ये भारतीय अधिकारी रहे मौजूद

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, एएसपी पवन गौतम, एसडीएम डॉ अवनीश, राजीव निगम, कमांडेंट 39 बटालियन आरके राजेश्वरी, डिप्टी कमांडेंट ऑपरेशन विजेंद्र कुमार सिंह, कमांडेंट 49 बटालियन शेर सिंह चौधरी, सेकेंड इन कमांडेंट थर्ड बटालियन एम डी तमांग, कमांडेंट 70 बटालियन राजन श्रीवास्तव, जिला आबकारी अधिकारी राजवीर सिंह मौजूद रहे।

नेपाल के ये अधिकारी रहे मौजूद

मुख्य जिलाधिकारी (कैलाली) हीरालाल रेग्मी, मुख्य जिलाधिकारी (कंचनपुर) मदन कोइराला असिस्टेंट चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर, कैलाली किरण जोशी, असिस्टेंट चीफ डिस्ट्रिक्ट ऑफिसर, कंचनपुर मोहन चंद्र जोशी, एसपी कैलाली नरेंद्र चंद, एसपी कंचनपुर खड़ग बहादुर खत्री, एसपी एपीएफ कैलालीलोकेंद्र देव भट्ट, एसपी एपीएफ कंचनपुर सुरेंद्र राज रंजीत, डिप्टी इन्वेस्टिगेशन डायरेक्टर महेश बोहरा, प्रकाश शाह, चीफ एरिया एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर तारा नाथ पनेरू, एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर, कैलाली शिव राज जोशी, सेक्शन ऑफिसर, कैलाली कल्पना भट्ट।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने बंगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी गोला को सौंपा ज्ञापन

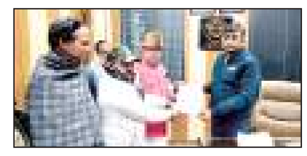

कुकरा खीरी। बंगलादेश मे अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हर जगह दे रहे हैं ज्ञापन,डाक्टर इंद्रेश कुमार केंद्रीय अधिकारी(आर एस एस)व मार्गदर्शक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के दिशा-निर्देश पर हर जगह ज्ञापन दिये जारहे हैं, इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कार्यालय लखनऊ से ठाकुर राजा रईस के आदेश पर उत्तर प्रदेश के हर जनपद मे ज्ञापन दिए जारहे इसी करम मे जनपद खीरी के तहसील गोला में उप जिलाधिकारी, तहसील दार गोला द्वारा महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रांत संयोजक शेर अली खान ने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ताओं के साथ सौंपा ज्ञापन । इस मौके पर शेर अली खान, प्रांत संयोजक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच,लाला अलीमुद्दीन,जिला सह संयोजक, छोटे खान, राशिद अल्वी, रौतास खान, अज्जू खान जिला संयोजक मुस्लिम राष्ट्रीय मंच मौजूद रहे।

नगर पालिका आपके द्वार के द्वितीय दिन श्रीधर्मादा समिति गौशाला में लगा कैम्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला मंगलवार 07 जनवरी मो0 कुम्हारन टोला स्थित श्रीधर्मादा समिति गौशाला में आम जनमानस की समस्याओं के निराकरण के लिए नगर पालिका परिषद गोला के तत्वावधान में कैम्प के द्वितीय दिवस 237 रजिस्ट्रेशन हुए। श्रीधर्मादा समिति गौशाला मे आज वार्ड 04,08,01,20 तथा मिल वार्ड 15 से विभिन्न समस्याओं को लेकर आमजनमानस नें वृद्धावस्था के 20, राशनकार्ड के 179, विद्युत विभाग के 08, दिव्यांग पेंशन के 01, विधवा पेंशन के 10 नगर पालिका परिषद से सम्बंधित 02 के साथ नये मतदाता बनने के भी 17 फार्म वितरित किए गए। नगर पालिका आपके द्वार अभियान में उपस्थित आमजन को सम्बोधित करते हुए पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि कैम्प में निःशुल्क ऑन लाइन की व्यवस्था की गई है जिससे नगर के जनमानस को नगर पालिका आपके द्वार अभियान का पूरा लाभ मिल सके। 08 जनवरी को गाँधी उ0मा0 विद्यालय मोहम्मदी रोड पर प्रातः 10 बजे से 04 बजे तक कैम्प रहेगा। इस अवसर पर सभासद धर्मेन्द्र बाल्मीकि, सौरभ तिवारी,भाजपा कुम्भी अध्यक्ष रविन्द्र कटियार,मोहित अवस्थी वरिष्ठ लिपिक अमित श्रीवास्तव, जेई सिविल अनिल कुमार यादव,जेई जलकर आदर्श मिश्रा,अंकित गुप्ता,आशोक कुमार मिश्रा, विमलेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

अपर पुलिस महानिदेशक सुजीत पाण्डेय ने थाना पलिया का किया निरीक्षण

- अधिकारी व कर्मचारियों के साथ की गोष्ठी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ, जोन लखनऊ सुजीत पाण्डेय द्वारा पुलिस अधीक्षक खीरी, संकल्प शर्मा के साथ आज थाना पलिया का निरीक्षण किया गया। थाना पलिया पुलिस सलामी गार्द द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक को सर्वप्रथम सलामी दी गई। निरीक्षण के दौरान सम्पूर्ण थाना परिसर का भ्रमण कर थाना कार्यालय, मालखाना, हवालात, मेस, बैरक, कम्प्यूटर कक्ष आदि का निरीक्षण किया गया। सम्पूर्ण थाना परिसर एवं कार्यालय की नियमित साफ सफाई हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही कार्यालय में रखे विभिन्न महत्वपूर्ण अभिलेखों- अपराध रजिस्टर, आर्डर बुक न्यायालय, आर्डर बुक न्यायालय गउड / कुर्की, आर्डर बुक न्यायालय सम्मन, गुण्डा रजिस्टर, समाधान दिवस रजिस्टर, सम्पूर्ण समाधान दिवस रजिस्टर, महिला उत्पीड़न रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, बीट सूचना रजिस्टर आदि का बारीकी से निरीक्षण करते हुए रजिस्टर्स के व्यवस्थित रख-रखाव तथा उन्हें अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिये गये ।

महिला संबंधी अपराधों में त्वरित कार्यवाही कर उनका विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। थाने पर लंबित विवेचनाओं का गुण दोष के आधार पर समयबद्ध विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए। इसी के साथ थाने पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क एवं मिशन शक्ति केन्द्र की समीक्षा करते हुए महिला पुलिस कर्मियों को फरियादियों से अच्छे व्यवहार करने व उनकी समस्याओं को सुनकर उनके गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण हेतु दिशा-निर्देश दिए गए । साथ ही किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर अपेक्षित कार्यवाही अमल में लाने हेतु निर्देशित किया गया । थानों पर दाखिल विभिन्न मुकदमों से संबंधित माल मुकदमाती एवं थाना प्रांगण में खड़े विभिन्न मुकदमों से संबंधित वाहनों के विधिक निस्तारण के संबंध में भी निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त अपराध की रोकथाम व अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही के दृष्टिगत नियमित रूप से प्रभावी गश्त करने के निर्देश दिए गए ।

निरीक्षण के उपरान्त अपर पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा सभी अधिकारी/कर्मचारियों के साथ गोष्ठी की गई। इसके अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को प्रभावी रात्रि गश्त करने के साथ ही संदिग्धों पर नजर रखने हेतु निर्देशित किया गया। वही अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए प्रमुख शहर-बाजार तथा सुनसान स्थानों पर नियमित रुप से पैदल गश्त तथा एन्टीरोमियों टीम द्वारा भम्रण कर शोहदों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए जिससे विजिविलिटी बनी रहे। कस्बा के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पूरी सक्रियता बरतने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) अमित राय, सहायक पुलिस अधीक्षक खीरी/क्षेत्राधिकारी सदर विवेक तिवारी, क्षेत्राधिकारी पलिया जितेन्द्र सिहं परिहार, थानाध्यक्ष पलिया सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

हैदराबाद पुलिस द्वारा मनमानी तरीके से फरियादियों का ही 151 में किया चालान

- पीड़ितों न्याय पाने हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लगाई गुहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद में आजकल अजीबोगरीब खेल चल रहा है जिसके चलते विपक्षियों द्वारा गाली गलौज करते हुए धारदार हथियारों से हमला कर घायल कर दिये जाने पर पीड़ित पच्चछ अपनी फरियाद लेकर थाने पहुंचने पर उल्टे फरियादी के माता-पिता और भाई का 151 की धारा में चालान कर दिया गया। पुलिस की करवाई के विरुद्ध मुख्यमंत्री को भेजे गए प्रार्थना पत्र में प्रार्थी मुकेश कुमार पुत्र घनश्याम निवासी ग्राम बरगदिया थाना हैदराबाद ने लिखा है कि रुद्रपुर में जॉब करता है। 4 जनवरी को लगभग दिन के 3:00 बजे विपक्षी अभिषेक कुमार विवेक कुमार पुत्र रामपाल और उनके साले नाम ना मालूम साथ में राम लली पत्नी रामपाल ने मिलकर प्रार्थी के पिता घनश्याम और भाई संजीव को गंदी-गंदी गालियां देते हुए धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया जिससे उसके भाई का सर फट गया और कान कट गया। सूचना मिलने पर 5 जनवरी को रुद्रपुर से वापस आने पर तहरीर देने थाना हैदराबाद पहुंचने पर पुलिस ने गाली गलौज करते हुए बंद कर दिया गया और 151 में पिता भाई और माता का चालान कर पिता और भाई की डाक्टरी करवाई गई। अब विपक्षी पुनः जान से मारने की धमकी देने शिकायत थाने में जाने पर उल्टा पुलिस ने धमका कर भगा दिया। प्रार्थी ने विपक्षियों के पुलिस से मिले होने की आशंका जाहिर करते हुए मामले की जांच करा कर न्याय दिलाए जाने की मांग मुख्यमंत्री से की गई।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने हल्का इंचार्ज सत्य पाल राठौर पर लगाया रिश्वत मांगने का आरोप, दिया ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में भारी संख्या में गोला तहसील पहुंचकर उप जिला अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को थाना हैदराबाद हल्का इंचार्ज सत्यप्रकाश राठौर द्वारा रिश्वत मांगने व कार्यकर्ता पर झूठे मुकदमा दर्ज करने पर दिया ज्ञापन। राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम अयोध्यापुर के राष्ट्रीय बजरंग दल के सक्रिय कार्यकर्ता है जिनकी गैर मौजूदगी में दिनांक 23/11/2025 को समय करीब 8:00 बजे रात्रि को गांव के ही राजेंद्र प्रसाद बेचेलाल पुत्र मगरेलाल ने विनोद कुमार की भाभी राजेश्वरी को बुरी नीयत से घर में घुसकर छेड़खानी करने लगे। राजेश्वरी देवी के विरोध करने पर बाल पकड़कर जमीन पर पटक दिया और ब्लाउज फाड़ दिया। जब राजेश्वरी देवी ने बचाव करने की कोशिश की तो उपरोक्त दोनों व्यक्तियों ने धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इससे उपरोक्त महिला का गाल व हाथ कट गया तब दोनों व्यक्ति ऐलानिया धमकी देते हुए कहा अगर कोई भी पुलिस कार्रवाई करोगे तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। इस घटना के सूचना विनोद कुमार को गांव वालो ने फोन से दी विनोद कुमार ने 112 पर कॉल कर पुलिस को बुलाया जो घायल अवस्था में राजेश्वरी देवी को गोला सीएचसी ले गई और इलाज कराया। उपरोक्त दोनों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया। परंतु हल्का इंचार्ज सत्यप्रकाश राठौर द्वारा उपरोक्त दोनों व्यक्ति को थाने से छोड़ दिया गया। थाना हैदराबाद हलका इंचार्ज सत्यप्रकाश राठौर ने संगठन के कार्यकर्ता से कहां की ?20,000 की व्यवस्था करो मैं उपरोक्त दोनों व्यक्ति को जेल भेज दूंगा। विनोद कुमार ने इतने रुपए देने से मना कर दिया तभी हलका इंचार्ज सत्यप्रकाश राठौर ने विनोद कुमार वीरपाल जुगुल किशोर सुरेश सिंह पुत्रगण रामौतार के विरुद्ध फर्जी केस दर्ज कर दिया जबकि चारों लोगों में से कोई भी घटना स्थल पर मौजूद नहीं था। राष्ट्रीय बजरंग दल की मांग है कि ऐसे पुलिस अफसर को सस्पेंड किया जाये और चारों पर दर्ज फर्जी मुकदमे की विवेचना किसी सक्षम अधिकारी से कराई जाये। ताकि कोई निर्दोष व्यक्ति परेशान व दंडित न हो सके। ज्ञापन सौंपते समय जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के साथ जिला महामंत्री प्रदीप जायसवाल,जिला उपाध्यक्ष अनुज वर्मा,मंडल अध्यक्ष गोल्ड मिश्रा (बिजुवा),तहसील संयुक्त मंत्री विवेक मिश्रा,ब्लॉक मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह चौहान, तहसील मंत्री अरविंद कश्यप, विपिन कुमार, संजय सिंह, लोकराम, मालती प्रसाद, जोगी सिंह चौहान,राधेश्याम,विनोद कुमार सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ममरी-रोशन नगर रोड पर बढ़ी दहशतः हैदराबाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

अज़ान खीरी। ममरी-रोशन नगर रोड पर ताबड़तोड़ आपराधिक घटनाओं से आमजन में भय का माहौल है, लेकिन हालात काबू में करने के लिए हैदराबाद थाना पुलिस की सक्रियता नजर नहीं आ रही है। न तो क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त हो रही है और न ही डायल-112 पुलिस अपने निर्धारित प्वाइंट पर तैनात दिखाई देती है। स्थानीय लोगों के अनुसार अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रामानंद के निर्देश पर परेली नहर पुलिया के पास पुलिस पिकेट (कक्ष) का निर्माण कराया गया था। यह पिकेट तत्कालीन ग्राम प्रधान अनूप चंद वर्मा द्वारा बनवाया गया था। पिकेट के सक्रिय रहने के दौरान ममरी-रोशन नगर रोड पर अपराधों में काफी कमी आई थी और लोगों ने राहत महसूस की थी। लोगों का कहना है कि हैदराबाद थाना क्षेत्र में तैनाती के दौरान तत्कालीन एसओ दीपक तिवारी द्वारा उक्त पुलिस पिकेट को गिरवा दिया गया, जिसके बाद से अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए। पिकेट हटते ही इस मार्ग पर आपराधिक गतिविधियों में लगातार इजाफा हो रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि ताबड़तोड़ घटनाओं के बावजूद हैदराबाद पुलिस की कार्यप्रणाली गंभीर नहीं दिख रही। शिकायतों के बाद भी न तो प्रभावी कार्रवाई हो रही है और न ही रात्रि गश्त बढ़ाई गई है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि डायल-112 पुलिस की मौजूदगी केवल कागजों तक सीमित रह गई है। ग्रामीणों और राहगीरों ने मांग की है कि ममरी-रोशन नगर रोड पर पुलिस पिकेट को पुनः स्थापित किया जाए, नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए और डायल-112 की जवाबदेही तय की जाए, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बहाल हो सके।

गोला पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गोला पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी गोला के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक थाना गोला के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दिनांक 08 जनवरी 2026 को कार्रवाई करते हुए अमन उर्फ आदित्य पाण्डेय को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त थाना गोला में पंजीकृत मु0अ0सं0 12/2026, धारा 352/351(2)/137(2) बीएनएस में वांछित था। अभियुक्त अमन उर्फ आदित्य पाण्डेय पुत्र सत्यनारायण पाण्डेय निवासी नई मिल कॉलोनी, थाना गोला, जनपद खीरी है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्रवाई पूर्ण कर उसे माननीय न्यायालय भेज दिया है।

सरकार के डिजिटल इंडिया बनाने के दावो पर पानी फ़ेर रहा परिचालक ऑनलाइन टिकट के पैसे लेने से इंकार

कुकरा खीरी। लालपुर से सवार हुए बस यात्री अतीक खान ने बताया की गोला डिपो की बस संख्या यूपी 78 एल एन 4708 के परिचालक विनोद कुमार का कहना है लालपुर लखीमपुर से गोला तक ऑनलाइन पेमेंट से टिकट नही होता,यदि आप के पास नगद पैसा न हो और ऑनलाइन पैसा है तो उसके भरोसे न रहे, और बस से सफर न करे ऐसा कहना है इस बस के कंडक्टर साहब का,एक तरफ सरकार ऑनलाइन पर जोर दे रही पर इन साहब को नकद चाहिए। ये कोई पहला मामला नही है गोला डिपो के कई अन्य परिचालको पर भी आनलाइन टिकट के पैसे ना लेने के आरोप लगते रहे हैं जबकी सरकार डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है सरकार की साख पर बट्टा लगा रहे गोला डिपो के परिचालक। क्या कहता है नियम- रोडवेज परिचालक (कंडक्टर) यात्रियों से ऑनलाइन भुगतान (जैसे QR कोड/UPI) लेने से मना नहीं कर सकता।खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जहाँ डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दिया जा रहा है; यह एक आधिकारिक सुविधा है।

तालाब से अवैध कब्जा न हटने पर मत्स्य जीवी सहकारी समिति ने डीएम से की शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। तहसील पलिया क्षेत्र के ग्राम घोला स्थित तालाब पर अवैध कब्जा हटाए जाने को लेकर मत्स्य जीवी सहकारी समिति लिमिटेड, सक्कू ने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। समिति ने जिलाधिकारी को प्रेषित पत्र में बताया कि ग्राम घोला स्थित तालाब गाटा संख्या 1387/613 (रकबा 613.000 हे.) को दिनांक 25 फरवरी 2025 को विधिवत रूप से मत्स्य जीवी सहकारी समिति के नाम स्वीकृत किया गया था। समिति द्वारा नियमानुसार एक वर्ष की धनराशि 1,30,000 रुपये भी जमा कर दी गई है।

समिति का आरोप है कि तालाब पर पूर्व पट्टेदार सुभाष निषाद द्वारा अवैध रूप से झोपड़ी बनाकर कब्जा किया गया है, जिसमें दो नाबालिग लड़कियां रह रही हैं। दिनांक 06 जनवरी 2026 को राजस्व विभाग एवं थाना सम्पूर्णानगर पुलिस की मौजूदगी में कब्जा हटाने का प्रयास किया गया, लेकिन मौके पर न तो झोपड़ी हटाई गई और न ही अवैध रूप से रह रहीं नाबालिग लड़कियों को हटाया गया।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त दोनों नाबालिग लड़कियां ग्राम घोला की निवासी नहीं हैं और उनका तालाब की भूमि पर रहने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। इसके बावजूद तालाब पर कब्जा बना हुआ है, जिससे सहकारी समिति को मत्स्य पालन कार्य प्रारंभ करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। समिति का कहना है कि अवैध कब्जेदारों द्वारा धमकी भी दी जा रही है कि यदि हटाने का प्रयास किया गया तो फर्जी मुकदमों में फंसा दिया जाएगा। मत्स्य जीवी सहकारी समिति ने जिलाधिकारी से मांग की है कि तालाब से अवैध कब्जा तत्काल हटवाकर समिति को शांतिपूर्ण ढंग से कब्जा दिलाया जाए, ताकि मत्स्य पालन का कार्य सुचारू रूप से किया जा सके।

भारतीय जनशक्ति मंच युवा मोर्चा से मोहम्मद अनस प्रदेश महासचिव मनोनीत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। भारतीय जनशक्ति मंच संगठन द्वारा जनपद लखीमपुर खीरी में संगठनात्मक विस्तार करते हुए मोहम्मद अनस को युवा मोर्चा से प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक हेमेंद्र कुमार यादव द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई। नियुक्ति पत्र में बताया गया है कि मोहम्मद अनस की ईमानदारी, संघर्षशीलता, कर्तव्यनिष्ठा तथा सामाजिक सेवा के प्रति सक्रिय भूमिका को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन को विश्वास है कि वे संविधान, सामाजिक न्याय और राष्ट्रहित की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाएंगे। भारतीय जनशक्ति मंच ने उम्मीद जताई है कि मोहम्मद अनस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करेंगे तथा छात्र संघ के माध्यम से युवाओं को संगठन से जोड़कर बहुजन मिशन को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

आईसीसी टूर्नामेंटों की चमक फीकी पड़ रही है प्रशासनिक दृष्टिकोण से बदलाव की जरूरत है: उथप्पा

एजेंसी

डरबन। भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) टूर्नामेंटों के प्रति लोगों का आकर्षण कम होता जा रहा है और इनकी चमक को बरकरार रखने के लिए 'प्रशासनिक दृष्टिकोण' से बदलाव करने की जरूरत है। मौजूदा क्रिकेट कैलेंडर में 10 महीनों के भीतर तीन विश्व कप आयोजित किए जा रहे हैं। महिला वनडे विश्व कप सितंबर और नवंबर 2025 के बीच खेला गया था। अब पुरुषों का टी20 विश्व कप सात फरवरी से आठ मार्च 2026 के बीच खेला जाएगा। इसके बाद जून जुलाई में महिला टी20 विश्व कप होगा। उथप्पा ने यहां एसए20 के दौरान चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत में पीटीआई के एक सवाल के जवाब में कहा, ''मुझे लगता है कि खेल को प्रशासनिक दृष्टिकोण से विकसित करने की जरूरत है। हर साल आईसीसी टूर्नामेंट हो रहे हैं। इससे प्रशंसकों और दर्शकों के लिए इनकी क्या अहमियत रह गई है। ईमानदारी और पूरे सम्मान के साथ कहूं तो इनमें कुछ नयापन नहीं है और उनकी चमक फीकी पड़ती जा रही है। उथप्पा अभी एसए20 में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे हैं। उनका मानना था कि आईसीसी की दो प्रतियोगिताओं के बीच कुछ अंतराल होना चाहिए ताकि उनका महत्व बना रहे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आईसीसी चैंपियनशिप की नवीनता बनी रहनी चाहिए। यह न केवल खिलाड़ियों बल्कि प्रशंसकों और दर्शकों के लिए भी महत्वपूर्ण टूर्नामेंट होते हैं। इनका कुछ महत्व होना चाहिए। इसमें कुछ बदलाव होना चाहिए। उथप्पा ने कहा, ''हम हर साल आईसीसी टूर्नामेंट आयोजित नहीं कर सकते और न ही करना चाहिए। यह एक कड़वी सच्चाई है जिसे मुझे लगता है कि इस खेल के प्रशासकों को समझना होगा। उन्हें खेल को इस तरह विकसित करने पर विचार करना होगा जिससे यह वास्तव में आगे बढ़ सके। उथप्पा ने इसके साथ ही कहा कि एसए20 दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट में एक बड़ा बदलाव लाएगा, क्योंकि युवा प्रतिभाएं अब लीग के जरिए अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना ??है कि क्रिकेट के माहौल और गुणवत्ता के मामले में यह आईपीएल के बाद दूसरी सर्वश्रेष्ठ लीग है। इससे आप दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को फलते-फूलते देखेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने 4-1 से जीती एशेज टेस्ट सीरीज, एससीजी में रोमांचक जीत के साथ ख्वाजा को दी विदाई

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में खेले गए पांचवें और आखिरी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली। यह मुकाबला पूरे सीरीज का सबसे करीबी टेस्ट साबित हुआ, जिसमें पांचवें दिन की घूमती पिच, अंपायरिंग तकनीक को लेकर विवाद और आखिरी क्षणों का दबाव ऽ सब कुछ देखने को मिला। इंग्लैंड की तीसरी पारी में जैकब बेथेल के शानदार 154 रन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पारी लड़खड़ाई और 39 रन बाकी रहते उसका पांचवां विकेट गिर गया। इसके बाद एलेक्स कैरी (नाबाद 16) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 22) ने छठे विकेट के लिए नाजुक लेकिन

निर्णायक 40 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। कैरी ने विल जैक्स की गेंद पर विजयी रन लगाए। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने 11 ओवर में 3/42 की जुझारू गेंदबाजी की, लेकिन अनुभवी स्पिनर की कमी इंग्लैंड को भारी पड़ी, क्योंकि पिच पर तेज टर्न मिलने लगा था। कप्तान बेन स्टोक्स ग्रोइन इंजरी के बावजूद टीम का नेतृत्व करते नजर आए और डीआरएस से जुड़े एक और फैसले को लेकर वह खासे नाराज दिखे। इस टेस्ट का एक भावुक पल उस समय आया जब उस्मान ख्वाजा अपने आखिरी टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करने उतरे। बेन स्टोक्स ने खेल भावना दिखाते हुए उनके लिए गार्ड ऑफ ऑनर का आयोजन किया। ख्वाजा सिर्फ 6 रन ही बना सके और जोश टंग की गेंद पर बोल्ड हो गए। आउट होने के बाद उन्होंने मार्नस लाबुशेन से गले लगकर विदाई ली, परिवार की ओर हाथ हिलाया और मैदान पर लिखे 'थैंक्स उज्जी' संदेश को नमन किया। मैच के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जल्दी आउट हुए, लेकिन इंग्लैंड के पार्ट-टाइम स्पिनर मैच का रुख नहीं बदल सके। इस बीच जेक वेदराल्ड और ब्रायडन कार्स के बीच मैदान पर तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली, जिसकी वजह डीआरएस से जुड़ा विवाद रहा। इस टेस्ट में बेथेल को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि पूरे सीरीज में 31 विकेट और 156 रन बनाने वाले मिशेल स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला।

संक्षिप्त समाचार

तिलक की 'ग्रोइन' की चोट की सर्जरी हुई

नयी दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा की 'ग्रोइन' की चोट की सर्जरी हुई है जिसके कारण उनका न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर रहना तय है। उनका अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के शुरुआती मैचों में भी खेलना संदिग्ध है। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी को राजकोट में तेज दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाया गया। वह विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय चैंपियनशिप के लिए हैदराबाद टीम के साथ राजकोट में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, ''विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक वर्मा ने अपने अंडकोष में तेज दर्द की शिकायत की। उन्हें तुरंत ही गोकुल अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर अंडकोष में मरोड़ (अचानक तेज दर्द) का पता चला और तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, ''हमने अपने विशेषज्ञों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, हम आपको सूचित कर देंगे। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि वर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। इसके बाद भारत और श्रीलंका में सात फरवरी से टी20 विश्व कप खेला जाएगा। इसका पहला मैच भारत और अमेरिका के बीच मुंबई में होगा। भारत अपना दूसरा मैच 12 फरवरी को दिल्ली में नामीबिया के खिलाफ खेलेगा।

होप के शतक और एनगिडी की हैट्रिक से कैपिटल्स ने डीएसजी को हराया

डरबन। शाई होप ने एसए20 क्रिकेट टूर्नामेंट का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाया, जिसके बाद लुंगी एनगिडी ने लीग की पहली हैट्रिक हासिल की जिससे प्रिटोरिया कैपिटल्स ने डरबन सुपर जायंट्स (डीएसजी) को एक बड़े स्कोर वाले मैच में 15 रन से हराया। होप ने 69 गेंदों पर नाबाद 118 रन बनाए, जिसमें नौ छक्के और इतने की चौके शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में सुपर जायंट्स की टीम 19.4 ओवर में 186 रन बनाकर आउट हो गई। उसकी तरफ से जोस बटलर ने सर्वाधिक नाबाद 97 रन बनाए। कैपिटल्स के लिए एनगिडी ने 39 रन देकर तीन और गिडयोन पीटर्स ने 35 रन देकर तीन विकेट लिए। सुपर जायंट्स को अंतिम ओवर में 18 रन की जरूरत थी लेकिन रोस्टन चेज ने उसे लक्ष्य तक नहीं पहुंचने दिया। क्वेना मफाका और नूर अहमद दोनों के रन आउट होने के कारण बटलर तीन रन से शतक पूरा नहीं कर पाए।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न के मामले में राष्ट्रीय निशानेबाजी कोच निलंबित

नयी दिल्ली। भारत के निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज पर एक नाबालिग निशानेबाज ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके चलते राष्ट्रीय महासंघ ने उन्हें निलंबित कर दिया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने बताया, ''एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा, ''उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा, ''एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है। भाटिया ने यह नहीं बताया कि घटना कब हुई, लेकिन पीड़िता ने जो एफआईआर दर्ज की है, उसके अनुसार, पिछले महीने करणी सिंह रेंज में एक अभ्यास सत्र के बाद यह घटना घटी थी। पिछले साल अगस्त से भारद्वाज के साथ प्रशिक्षण ले रही इस युवा निशानेबाज ने बताया कि वह इस घटना से सदमे में है और उन्होंने एक जनवरी को अपनी मां को इसकी जानकारी दी। पूर्व पिस्टल निशानेबाज भारद्वाज को अपने प्रतिस्पर्धी करियर के दौरान बीटा-ब्लॉकर के इस्तेमाल के लिए 2010 में डोपिंग प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था।

एसीआईसी ने बांग्लादेशी उत्पादों पर जताई चिंता व्यापारिक चिंताओं को हिंदुओं के खिलाफ हिंसा से जोड़ा

ईटानगर। अरुणाचल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को भारतीय बाजारों में बांग्लादेशी उत्पादों की बढ़ती आमद पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेशी ब्रांड के अनियंत्रित प्रवेश से स्थानीय व्यापारियों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों और स्वदेशी उद्यमियों को खासकर संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में, नुकसान हो रहा है। एसीआई के अध्यक्ष तारह नाचंग ने बयान में कहा कि स्थानीय व्यापारियों को परिवहन एवं परिचालन लागत में काफी वृद्धि का सामना करना पड़ता है जिससे कम कीमत वाले आयातित सामानों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगाह किया कि यह प्रवृत्ति स्थानीय रोजगार और पारंपरिक व्यवसायों के लिए खतरा है। साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के विपरीत है। एसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की खबरों पर भी चिंता व्यक्त की। खबरों का हवाला देते हुए उद्योग निकाय ने कहा कि पिछले 18 दिन में छह हिंदुओं की हत्या की गई है। इन घटनाओं को अमानवीय एवं बेहद परेशान करने वाली बताते हुए एसीसीआई ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों के खिलाफ हिंसा के बावजूद भारत में बांग्लादेशी ब्रांड की बढ़ती उपस्थिति को देखकर वह स्तब्ध है।

एशेज में इंग्लैंड के खिलाड़ियों और प्रबंधन के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा ईसीबी

सिडनी। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ऑस्ट्रेलिया में एशेज श्रृंखला में 1-4 से मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों और प्रबंधन के प्रदर्शन की समीक्षा करेगा। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड गोल्ड ने 'आने वाले महीनों में जरूरी बदलाव लागू करने' का वादा किया है। इंग्लैंड की गुरुवार को पांचवें टेस्ट में पांच विकेट से हार के बाद गोल्ड ने बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने टीम के निराशाजनक प्रदर्शन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम और क्रिकेट निदेशक रॉब की की योजना, रणनीति और तैयारी की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन और व्यवहार तथा परिस्थितियों के अनुसार ढलने की क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाएगा। गोल्ड ने कहा, ''यह एशेज दौरा बड़ी उम्मीदों और उत्साह के साथ शुरू हुआ था। इसलिए यह बेहद निराशाजनक है कि हम ऑस्ट्रेलिया में एशेज जीतने की अपने लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाए। हमने टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन किया।

मुंबई इंडियंस तीसरे डब्ल्यूपीएल खिताब का प्रमुख दावेदार, आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स भी दौड़ में

एजेंसी

नवी मुंबई। अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से यहां शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी। टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के

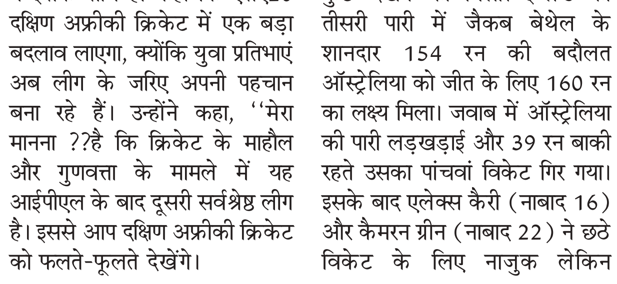

साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। मेग लैनिंग के यूपी वॉरियर्स से जुड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल ली है। दिल्ली की टीम अभी तक तीनों बार फाइनल में पहुंची है लेकिन वह खिताब नहीं जीत पाई। इस बार वह इसमें किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेगी। दिल्ली के पास विश्व कप विजेता और शानदार फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा, स्नेह राणा और श्री चरणी हैं। इसके अलावा उसके पास घरेलू स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाली निक्की प्रसाद, मिन्नू मणि और दाएं हाथ की गेंदबाज नंदनी शर्मा भी हैं। दिल्ली की टीम में कई प्रभावशाली विदेशी खिलाड़ी हैं जिनमें वनडे विश्व कप की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोलवार्ट भी शामिल हैं। मारिज़ेन कैप और अलाना किंग उसकी गेंदबाजी का भार संभालेंगी, लेकिन एनाबेल सदरलैंड के हटने से टीम का आक्रमण कुछ हद तक कमजोर हो गया है।

एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 18 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे तूर

नयी दिल्ली। एशियाई खेलों में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता गोला फेंक (शॉट-पुट) खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर छह से आठ फरवरी तक चीन के तियानजिन में होने वाली 12वीं एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 18 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए तीन फरवरी को रवाना होगी। भारतीय टीम में दो बार एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुके तूर के अलावा युवा गोला फेंक खिलाड़ी समरदीप सिंह गिल भी शामिल हैं। तूर तियानजिन में स्वर्ण पदक जीतने के प्रबल दावेदारों में से एक होंगे, क्योंकि वह पिछले कई वर्षों से एशियाई इंडोर चैंपियनशिप में अपनी स्पर्धा में दबदबा बनाए हुए हैं। तूर ने 2024 में तेहरान में आयोजित 11वीं एशियाई इंडोर प्रतियोगिता में 19.72 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

तंबाकू उत्पादों पर उत्पाद शुल्क छोटे खुदरा विक्रेताओं के खतरा, सरकार पुनर्मूल्यांकन करे: एफआरएआई

एजेंसी

नयी दिल्ली। 'फ़ेडरेशन ऑफ रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एफआरएआई) ने तंबाकू उत्पादों पर कानूनी तौर पर करों में भारी वृद्धि पर बृहस्पतिवार को गंभीर चिंता व्यक्त की और सरकार से छोटे खुदरा विक्रेताओं के हित में पुनर्विचार करने एवं अवैध संचालकों को बाजार पर कब्जा करने से रोकने का आग्रह किया। वित्त मंत्रालय के चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा पैकिंग मशीन (क्षमता निर्धारण एवं शुल्क संग्रह) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी करने की पृष्ठभूमि में एफआरएआई ने यह मांग उठाई है। इसके तहत सिगरेट की लंबाई के आधार पर प्रति 1,000 'स्टिक' पर 2,050-8,500 रुपये का उत्पाद शुल्क लगाया गया है जो एक फरवरी से प्रभावी होगा। एफआरएआई ने बयान में कहा कि इस कदम ने छोटे खुदरा विक्रेताओं, फ़ेरीवालों एवं रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को गंभीर चिंता में डाल दिया है जो अपनी आजीविका के लिए दैनिक उपभोग की वस्तुओं, विशेष रूप से तंबाकू उत्पादों पर निर्भर हैं एसोसिएशन ने आगाह किया कि नियमित उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में अचानक और तीव्र वृद्धि का भारत के अनौपचारिक खुदरा परिवेश पर असमान प्रभाव पड़ता है जो लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है और कम मुनाफ़े एवं उच्च मात्रा की बिक्री पर संचालित होता है। एफआरएआई करीब 80 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मझोले खुदरा विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। इसने कहा कि कीमतों में अचानक आई तेजी उपभोक्ताओं को कानूनी बाजारों से दूर कर देगी, आस-पड़ोस की दुकानों में ग्राहकों की संख्या कम कर देगी और अवैध एवं अनियमित विकल्पों की ओर बदलाव को तेज कर देगी। एफआरएआई के संयुक्त सचिव गुलाब चंद खोड़ा ने कहा कि वैध उत्पादों की कीमतों में अचानक वृद्धि से दुकानों में मांग तुरंत खत्म हो जाती है और उपभोक्ता अवैध विकल्पों की ओर धकेल दिए जाते हैं। इससे छोटे दुकानदार घटती आय और अवैध आपूर्तिकर्ताओं के दबाव के बीच फंस जाते हैं। इस मुद्दे को व्यापक वृहद आर्थिक संदर्भ में रखते हुए एफआरएआई ने कहा कि यह कमद वृद्धि अन्यत्र मूल्य नियंत्रण के लाभों को बेअसर करता है और प्रगतिशील माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती से मिले लाभों के उलट है जिससे उपभोक्ता विश्वास एवं खुदरा स्थिरता कमजोर होती है। एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वह कराधान या सार्वजनिक नीति के उद्देश्यों का विरोध नहीं कर रहा है लेकिन उसने आग्रह किया कि करों को संतुलित, राजस्व-तटस्थ और मूल्य-स्थिर होना चाहिए।

अमागी मीडिया लैब्स का आईपीओ 13 जनवरी को खुलेगा, मूल्य दायरा 343-361 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली। क्लाउड-आधारित एसएएएस कंपनी अमागी मीडिया लैब्स ने अपने 1,788 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 343-361 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि आईपीओ अभिदान के लिए 13 जनवरी को खुलेगा और 16 जनवरी को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 12 जनवरी को बोली लगा पाएंगे।

प्रस्तावित आईपीओ में 816 करोड़ रुपये के नए शेयर और 972.6 करोड़ रुपये के 2.7 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल शेयर की राशि 1,788.6 करोड़ रुपये बैठती है। अमागी मीडिया लैब्स, राजस्व के हिसाब से भारत की शीर्ष 50 सूचीबद्ध मीडिया एवं मनोरंजन कंपनियों में से 45 प्रतिशत से अधिक कंपनियों के साथ काम करती है।

एपीडा ने कृषि-खाद्य, कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के समर्थन के लिए शुरू की नई पहल

एजेंसी

नयी दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए एक नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने कहा कि 'कृषि-प्रौद्योगिकी, जुझारूपन, उन्नयन और निर्यात-सक्षम इनक्यूबेशन के लिए भारत का केंद्र' यानी 'भारती' पहल कृषि क्षेत्र की स्टार्टअप फर्मों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) द्वारा आयोजित तीन-दिवसीय 'इंडसफूड 2026' प्रदर्शनी में शिरकत करते हुए कहा, हम इस पहल के तहत शीर्ष 10 स्टार्टअप को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देंगे। कृषि निर्यात के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कृषि निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा, इस साल भी हम रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एपीडा-प्रोत्साहित निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सात प्रतिशत बढ़कर 18.6 अरब डॉलर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 28.5 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा, इस वित्त वर्ष में हमें 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है। इस मौके पर टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

अधिकतर भारतीय पेशेवरों की 2026 में नौकरी बदलने की योजना: लिंक्डइन

नयी दिल्ली। भारत में अधिकतर पेशेवर 2026 में एक नई भूमिका की तलाश में है। हालांकि अनिश्चितता एवं कौशल अंतराल के कारण कुछ लोग बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नई भूमिका के लिए एआई-संचालित भर्ती प्रक्रिया में खुद को उपयुक्त महसूस नहीं करते हैं। पेशेवर मंच लिंक्डइन के नए सर्वेक्षण के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग, आज की नौकरियों के लिए तेजी से बदलती कौशल आवश्यकताओं और तेजी से प्रतिस्पर्धी लेकिन चयनात्मक नौकरी बाजार के बीच 84 प्रतिशत पेशेवर नई नौकरी खोजने के लिए खुद को तैयार महसूस नहीं करते हैं। लिंक्डइन के आंकड़ों के अनुसार, भारत में रिक्त पदों के लिए आवेदकों की संख्या 2022 की शुरुआत से दोगुनी से अधिक हो गई है जिससे प्रतिस्पर्धा और भी बढ़ गई है। कई लोग खुद को इसके लिए तैयार महसूस नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा, करीब 74 प्रतिशत ने कहा कि पिछले एक साल में योग्य प्रतिभाओं को ढूंढना और भी कठिन हो गया है। लिंक्डइन की 'करियर एक्सपर्ट' एवं लिंक्डइन इंडिया की वरिष्ठ प्रबंध संपादक (न्यूज) निराजिता बनर्जी ने कहा, '' भारत के रोजगार बाजार में करियर बनाने और प्रतिभा मूल्यांकन में एआई एक मूलभूत भूमिका निभाता है। पेशेवरों को सबसे ज्यादा जरूरत इस बात की स्पष्ट समझ की है कि उनके कौशल अवसरों में कैसे तब्दील होते हैं और भर्ती संबंधी निर्णय वास्तव में कैसे लिए जाते हैं।

एयर इंडिया का पहला लाइन फिट बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान अगले कुछ दिनों में भारत पहुंचेगा

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया को लंबा इंतजार करने के बाद 'लाइन फिट' बोइंग 787-9 विमान मिल गया है। विमानन कंपनी एयर इंडिया के बेड़े में 8 साल से अधिक समय में शामिल होने वाला यह पहला 'ड्रीमलाइनर' भी है। अमेरिका में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के निरीक्षण के बाद इस विमान के अगले कुछ दिन में भारत पहुंचने की उम्मीद है। एयर इंडिया ने 7 जनवरी को अमेरिका के सिएटल में बोइंग के एवरेट कारखाने में 'ड्रीमलाइनर' का स्वामित्व हासिल किया। जनवरी, 2022 में निजीकरण के बाद लिया जाने वाला यह एयर इंडिया का पहला 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर है। एयर इंडिया ने आखिरी बार 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर अक्टूबर, 2017 में हासिल किया था, जब विमानन कंपनी भारत सरकार के स्वामित्व में थी।

विमानन उद्योग में 'लाइन फिट' का मतलब होता है कि कोई उपकरण, सिस्टम या फीचर विमान के विनिर्माण (असेंबली) की प्रक्रिया के दौरान ही विमान में लगाया जाए, न कि बाद में उसे विमान में लगाया जाए। एयर इंडिया के मुताबिक 2023 में ऑर्डर किए गए 220 बोइंग विमान में से यह 52वां विमान है। एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही 'नैरो-बॉडी' बोइंग 737-8 के 51 विमानों की आपूर्ति मिल चुकी है, जिसे दिसंबर के अंत में शामिल किया गया। जनवरी, 2022 में टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद एयर इंडिया ने 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान का ऑर्डर दिया था। एयरबस के ऑर्डर में से 6 ए350 विमान पहले ही एयर इंडिया के बेड़े में शामिल किए जा चुके हैं। एयर इंडिया के पास पहले से ही विस्तारा के 26 बी787-8 और 6 बी787-9 विमान हैं। विस्तारा का विलय एयर इंडिया में हो चुका है। एयर इंडिया समूह के पास वर्तमान में 300 से अधिक विमान हैं, जिनमें से 185 विमान एयर इंडिया के हैं और शेष एयर इंडिया एक्सप्रेस के हैं। एयर इंडिया एयरलाइन के पुराने करीब एक दर्जन ड्रीमलाइनर विमान नए रूप में 2026 तक सेवा में लौट सकते हैं।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं मिलना सरकार की प्राथमिकता : डिप्टी सीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के गुरुवार को बरेली पहुंचने पर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और राजनीतिक हलकों में हलचल देखने को मिली। दोपहर करीब डेढ़ बजे एयरपोर्ट पर उतरते ही उन्होंने सीधे इज्जतनगर क्षेत्र के पीरबहोड़ा स्थित अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का रुख किया। यहां उन्होंने ओपीडी, दवा वितरण काउंटर और जांच कक्षों का बारीकी से निरीक्षण किया। मरीजों से संवाद कर इलाज और सुविधाओं की वास्तविक स्थिति जानी। निरीक्षण के दौरान कुछ व्यवस्थाओं में कमी मिलने पर उप मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आने वाले मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं मिलना सरकार की प्राथमिकता है और इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के बाद उप मुख्यमंत्री पीलीभीत बाईपास रोड स्थित शक्तिनगर कॉलोनी पहुंचे, जहां उन्होंने स्वर्गीय फरीदपुर विधायक प्रोफ़ेसर श्याम बिहारी लाल के आवास पर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने दिवंगत विधायक को सादगी और जनसेवा का प्रतीक बताते हुए उनके निधन को क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। उप मुख्यमंत्री ने विधायक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूरे दौरे के दौरान प्रशासनिक अमला सतर्क रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

स्कूल का मित्र बनकर साइबर अपराधी ने 6.64 लाख रुपए ठगा

नोएडा। थाना साइबर क्राइम में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात साइबर अपराधी ने उससे संपर्क किया तथा कहा कि वह उसका पुराना मित्र बोल रहा है। उसने स्कूल के समय की जानकारी दी। पीड़ित को उसकी बात पर विश्वास हो गया। आरोपित ने उसे अपने जाल में फंसाकर कहा कि उसके एक रिश्तेदार की मेडिकल इमरजेंसी है। कुछ पैसा भेजना है। बैंक के नियमों के अनुसार वह पूरा पैसा नहीं भेज पा रहे हैं। पीड़ित के अनुसार आरोपित ने अपने जाल में फंसाकर उससे 6 लाख 64 हजार 237 रूपए की ठगी कर ली। अपर पुलिस उपायुक्त साइबर क्राइम शैव्या गोयल ने गुरुवार को बताया कि नोएडा के सेक्टर-78 स्थित अंतरिक्ष गोल व्यू सोसाइटी में रहने वाले जयप्रकाश सैनी पुत्र मुंशी राम सैनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बीते 23 अक्टूबर को उनके पास अनिल सक्सेना नामक एक व्यक्ति का फोन आया। उसने कहा कि वह उनके स्कूल के समय का दोस्त बोल रहा है। उन्हें शुरुआती दौर में कुछ शक हुआ, लेकिन उसने स्कूल के समय का निक नेम का जिक्र किया तो जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया कि यह उनका पुराना स्कूली मित्र है। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने उनसे कहा कि उसके एक रिश्तेदार को मेडिकल इमरजेंसी का सामना करना पड़ रहा है। बैंक की लिमिट की समस्या के कारण वह उसे पैसे ट्रांसफर नहीं कर पा रहा है। आरोपित ने उससे अपने रिश्तेदार के बैंक खाते में पैसा ट्रांसफर करने का रिक्वेस्ट किया। पीड़ित के अनुसार वह उसकी बातों में आ गए तथा उन्होंने विभिन्न बार में बताए हुए अकाउंट में 6 लाख 64 हजार 237 रुपए ट्रांसफर कर दिया। पीड़ित के अनुसार बाद में उन्हें पता चला कि उनके साथ साइबर ठगी हुई है। अपर उपायुक्त ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का नाम अमेठी की ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल, नेतृत्व ने दिया बड़ा संकेत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अमेठी। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अमेठी की पूर्व सांसद स्मृति ईरानी का नाम अमेठी की ड्राफ्ट मतदाता सूची में दर्ज है। इस कदम को अमेठी से उनके राजनीतिक और सामाजिक जुड़ाव के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से यह चर्चा थी कि स्मृति ईरानी अमेठी से दूरी बना चुकी हैं, लेकिन मतदाता सूची में नाम जुड़ने के बाद इन अटकलों पर विराम लग गया है। माना जा रहा है कि इससे पार्टी नेतृत्व का संकेत है कि स्मृति ईरानी की सक्रियता अमेठी में बनी रहेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी की गई ड्राफ्ट मतदाता सूची में स्मृति ईरानी का नाम गौरीगंज तहसील क्षेत्र की मेदन मवई ग्राम पंचायत में शामिल है। वह कम्पोजिट विद्यालय लीला टिकरा, मेदन मवई स्थित मतदान केंद्र की मतदाता सूची में पंजीकृत हैं। इस बूथ पर कुल 666 मतदाता दर्ज हैं, जिनमें स्मृति ईरानी का नाम क्रमांक 514 पर अंकित है। स्मृति ईरानी ने वर्ष 2021 में मेदन मवई गांव में 11 बिस्वा भूमि खरीदी थी। 22 फरवरी 2021 को भूमि की रजिस्ट्री कराई गई, जबकि 29 जुलाई 2021 को उनके पुत्र जोहर ईरानी ने भूमि पूजन कर आवास निर्माण की आधारशिला रखी थी। निर्माण पूर्ण होने के बाद 22 फरवरी 2024 को स्मृति ईरानी ने गृह प्रवेश किया। तभी से उनका अमेठी में नियमित आना-जाना बना हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है किड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम शामिल होना केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि इसके पीछे राजनीतिक संकेत भी हैं। स्मृति ईरानी ने वर्ष 2019 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हराकर अमेठी लोकसभा सीट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बावजूद अमेठी से उनका रिश्ता समाप्त नहीं हुआ है। इस बीच भाजपा के अमेठी जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने बृहस्पतिवार को बताया कि कि स्मृति ईरानी अमेठी की स्थायी निवासी हैं और उनका स्नेह हमेशा कार्यकर्ताओं और जनता के साथ रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी स्टेडियम पहुंचे, वालीबॉल खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी गुरुवार को सिगरा स्थित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के पांचवें दिन प्रतियोगिता में भाग ले रहे खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रदेश अध्यक्ष ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनके साथ सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। इस अवसर पर काशी क्षेत्र अध्यक्ष दिलीप पटेल सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में महिला खिलाड़ियों की सहभागिता देखकर प्रदेश अध्यक्ष ने प्रसन्नता व्यक्त की और इसे खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का सकारात्मक संकेत बताया। स्टेडियम पहुंचने पर वाराणसी के महापौर अशोक तिवारी समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके पश्चात पंकज चौधरी पार्टी के विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। अपने प्रवास के दौरान प्रदेश अध्यक्ष वाराणसी महानगर, जिला तथा काशी क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे।

विंध्याचल धाम में जलशक्ति मंत्री ने किया दर्शन-पूजन, गंगा घाट का लिया जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने गुरुवार सुबह विंध्याचल पहुंचकर मां विंध्यवासिनी, मां अष्टभुजा और मां काली खोह मंदिर में विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। इस दौरान नगर विधायक पंडित रत्नाकर मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उनके साथ मौजूद रहे। दर्शन-पूजन के उपरांत जलशक्ति मंत्री ने विंध्याचल स्थित गंगा घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने गंगा किनारे साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और घाटों की स्थिति का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि गंगा तट की स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से गंगा से जुड़े विकास और संरक्षण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

फिरोजाबाद में कांच संग्रहालय फिरोजाबाद को दिलायेगी अनूठी पहचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में सुहाग नगरी फिरोजाबाद अब अपनी पारंपरिक चूड़ियों की पहचान से आगे निकलकर वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक चमकता हुआ केंद्र बनने जा रहा है। योगी सरकार 'एक जिला- एक उत्पाद' (ओडीओपी) को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए फिरोजाबाद में भारत का पहला भव्य ग्लास म्यूजियम (कांच संग्रहालय) तैयार कर रही है। लगभग 47.47 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह म्यूजियम न केवल कांच कला को प्रदर्शित करेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन के लिए 'गेम चेंजर' साबित होगा।

फिरोजाबाद का कांच उद्योग केवल व्यापार नहीं, बल्कि यहां की आधी से अधिक आबादी की जीवन रेखा है। आंकड़ों के अनुसार शहर के कांच व्यवसाय से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग छह लाख लोग जुड़े हुए हैं। अकेले चूड़ी निर्माण और उसकी सजावट में 50 हजार परिवार जुटे हैं। योगी सरकार का उद्देश्य इस विशाल जनशक्ति के हुनर को दुनिया के सामने लाना है। यह म्यूजियम इसी दिशा में एक बड़ा कदम है, जो न केवल कारीगरों को वैश्विक मंच देगा, बल्कि रोजगार के हजारों नए अवसर भी पैदा करेगा। फिरोजाबाद भारत के एमएसएमई क्षेत्र के कुल कांच उत्पादन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा कवर करता है। यहां कांच निर्माण की लगभग 465 सक्रिय औद्योगिक इकाइयां हैं। इनमें पॉट फर्नेस (चूड़ियों के लिए), टैंक फर्नेस (बर्तन व बल्ब के लिए) और मफल फर्नेस (चूड़ियों की फिनिशिंग और हीट ट्रीटमेंट के लिए) शामिल हैं। वर्तमान में यहां से सालाना 1500 करोड़ रुपये तक का निर्यात हो रहा है, जिसमें ग्लास वुड आइटम, फ्लावर पॉट और क्रिसमस डेकोरेशन जैसे उत्पाद प्रमुख हैं। ग्लास म्यूजियम बनने से विदेशी खरीदारों और डिजाइनरों के लिए यह एक 'बिजनेस हब' की तरह काम करेगा, जिससे निर्यात में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद है। फिरोजाबाद के डबराई क्षेत्र में विकास भवन के समीप 47.47 करोड़ रुपये की लागत से 25,700 वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में बन रहा यह म्यूजियम अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसका 60 प्रतिशत से अधिक निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसमें 500 सीटों वाला भव्य ऑडिटोरियम और 150 सीटों वाला ओपन-एयर थिएटर, वॉच टावर और आर्ट गैलरी, जहां कांच की जादुई कलाकृतियों का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही मल्टीपर्पज हॉल, कैफ़ेटेरिया और पर्यटन सूचना केंद्र, जो आगंतुकों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान करेंगे। ग्लास म्यूजियम को लेकर उद्योग जगत में जबरदस्त उत्साह है। ऑल इंडिया ग्लास मैन्युफैक्चरर फ़ेडरेशन के उपाध्यक्ष और यूपी ग्लास मैन्युफैक्चरिंग सिंडिकेट के महासचिव मुकेश कुमार बंसल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि योगी सरकार का यह प्रयास फिरोजाबाद के ग्लास उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होगा। इससे उद्योग को नए पंख लगेंगे और हमारे निर्यात में भारी बढ़ोतरी होगी। अब तक हमें अपनी कला को प्रदर्शित करने के लिए एक उचित मंच की कमी खलती थी, लेकिन यह म्यूजियम हमें वह वैश्विक मंच प्रदान करेगा जहां दुनिया भर के खरीदार हमारी क्षमता देख पाएंगे। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों नए अवसर भी पैदा होंगे। श्री बंसल ने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विजन फिरोजाबाद की पारंपरिक कांच कला को वैश्विक पहचान दिलाना है। यह भव्य ग्लास म्यूजियम संस्कृति और उद्योग का एक अनूठा संगम होगा, जो दुनिया भर के पर्यटकों को कांच निर्माण के गौरवशाली इतिहास और आधुनिक तकनीक से रूबरू कराएगा। हमारा प्रयास फिरोजाबाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन हब के रूप में स्थापित करना है, जिससे स्थानीय हुनर को नया मंच मिले।

उत्तर प्रदेश में गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली रेलवे फाटक से भिड़ी, खड़ी रही तीन घंटे दो ट्रेन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद बलरामपुर के तुलसीपुर रेलवे स्टेशन के समीप हरैया तिराहे पर गुरुवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा टल गया। गन्ना लदी एक ट्रैक्टरऽट्रॉली अनियंत्रित होकर बंद रेलवे फाटक से जा टकराई, जिससे इलेक्ट्रॉनिक फाटक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि रेलवे की हाईटेंशन ओवरहेड लाइन भी टूट गई। इस घटना के चलते रेल यातायात बाधित हो गया और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना का असर सबसे पहले तुलसीपुर रेलखंड पर देखने को मिला। लखनऊ से तुलसीपुर आ रही गोमती एक्सप्रेस को सुरक्षा कारणों से कौवापुर स्टेशन पर रोक दिया गया। वहीं गोरखपुर से गोंडा जा रही डेमो पैसेंजर ट्रेन को तुलसीपुर रेलवे स्टेशन पर खड़ा कर दिया गया। सुबह लगभग 10 बजे से दोनों ट्रेनें अपने-अपने स्थानों पर खड़ी रहीं, जिससे यात्रियों में बेचैनी बढ़ती गई। गर्मी और अनिश्चितता के कारण यात्रियों को काफी असुविधा हुई। रेलवे सूत्रों के अनुसार हाईटेंशन लाइन के क्षतिग्रस्त होने से ट्रेनों का संचालन पूरी तरह रोकना पड़ा। रेलवे के तकनीकी कर्मचारियों और विद्युत विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद लगभग तीन घंटे में लाइन को दुरुस्त किया जा सका। दोपहर करीब 1 बजे मरम्मत पूरी होने के बाद दोनों ट्रेनों को सुरक्षित रूप से रवाना किया गया। मामले की जानकारी देते हुए स्टेशन अधीक्षक रणंजय सिंह ने बताया कि घटना के तुरंत बाद गन्ना लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जीआरपी ने अपने कब्जे में ले लिया है।

पीने के पानी की आपूर्ति में सीवर का गंदा पानी मिलने से कई लोग बीमार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के डेल्टा 1 सेक्टर में घरों में पीने के पानी की आपूर्ति में सीवर का गंदा पानी मिलने से कई लोग बीमार पड़ गए हैं। निवासियों का आरोप है कि तीन दिनों तक लगातार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार विभाग ने इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दिया।

स्थानीय निवासी प्रमोद भाटी ने गुरुवार को बताया कि पिछले तीन दिनों से सेक्टर में पीने के पानी के साथ सीवर का पानी मिलकर आ रहा है और 25 से 30 लोग दूषित पानी का शिकार हुए हैं। इस संबंध में प्राधिकरण में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने यह भी बताया कि पहले भी ऐसी स्थिति में लोग बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हुए थे। डेल्टा निवासी विजय सिंह ने बताया कि पिछले तीन दिनों से सप्लाई का पानी बिल्कुल पीला और गंदा आ रहा है। उनके घर में भी बच्चे उल्टी और दस्त की समस्या से बीमार हुए हैं। रुक्मणी सिंह भाटी ने भी पानी से बदबू आने और बच्चों के बीमार होने की बात कही। निवासियों के अनुसार, इस दूषित पानी के कारण कई लोगों को उल्टी, दस्त, सिरदर्द और बुखार जैसी दिक्कतें आई हैं। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के सीनियर मैनेजर विनोद कुमार ने बताया कि आज प्राधिकरण और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। उन्होंने कई स्थानों पर गड्ढे खोदकर जांच की और पानी के नमूने भी लिए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पीने के पानी की लाइन में सीवर लाइन का पानी मिल गया है। उस पैच को ठीक कर दिया गया है। यह दिक्कत एक दो घरों में आई थी। अब फिलहाल पानी सभी घरों में ठीक आ रहा है।

नेशनल वॉलीबॉल में यूपी का दम, महिला और पुरुष दोनों टीमों ने प्ले-ऑफ में मारी बाजी

■ पुरुष वर्ग में उत्तर प्रदेश ने अपने पड़ोसी राज्य उत्तराखंड को दी पटखनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी सिगरा स्थित डॉ . संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के पांचवें दिन गुरूवार को उत्तर प्रदेश की टीमों ने दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। महिला और पुरुष दोनों वर्गों में यूपी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले चक्र (क्वार्टर फाइनल क्वालीफाइंग मैच) में प्रवेश कर लिया है। महिला वर्ग के प्ले-ऑफ मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने हार न मानने वाले जज्बे का परिचय दिया। गुजरात के खिलाफ खेल रही यूपी की बेटियों ने करीब दो घंटे और 15 मिनट चले कड़े संघर्ष में जीत हासिल की। मैच की शुरुआत में यूपी ने बढ़त बनाई, लेकिन मध्य के सेटों में गुजरात ने जोरदार वापसी करते हुए यूपी पर भारी दबाव बना दिया था। उत्तर प्रदेश की इस रोमांचक जीत की सूत्रधार सेटर आर्या रहीं, जिन्होंने अपनी उंगलियों के जादू से शानदार 'बॉल सेट' किए। उनकी सटीक सेटिंग का पूरा फायदा काजल और प्रियंका जैसी अटैकर्स ने उठाया और गुजरात के पाले में धुआंधार स्मैश की बौछार कर दी। डिफेंस में लिब्रो जान्सी ने अविश्वसनीय कलेक्शन दिखाए, जबकि नेट पर मीना और नीलू ने अपनी ब्लॉकिंग से गुजरात के हमलों को नाकाम कर दिया। गुजरात की हार का मुख्य कारण उनका कमजोर बॉल पास और अंत में बिखरा हुआ तालमेल रहा। इस शानदार प्रदर्शन से खुश होकर वाराणसी महापौर अशोक कुमार तिवारी ने यूपी महिला टीम को 11,000 रुपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। ??पुरुष वर्ग के प्ले-ऑफ मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने अपने पड़ोसी राज्य उत्तराखंड को पटखनी दी। शुरुआत में उत्तराखंड ने कंटे की टक्कर दी और पहले सेट में यूपी को दबाव में रखा, लेकिन उसके बाद यूपी के अटैकर्स ने मोर्चा संभाल लिया। रजनीश सिंह और शहीद आलम के पावरफुल शॉट्स और सूर्यांश के ऑलराउंड प्रदर्शन के सामने उत्तराखंड का डिफेंस टिक नहीं सका। उत्तराखंड की टीम सही अटैक न कर पाने के कारण दबाव में आती गई और मैच गंवा बैठी। उधर, तमिलनाडु की महिला टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए तेलंगाना को महज एक घंटे में शिकस्त दे दी। तमिलनाडु की सर्विस और स्मैश इतने सटीक थे कि तेलंगाना की टीम किसी भी सेट में चुनौती पेश नहीं कर सकी। वहीं, पुरुष वर्ग में केरल ने छत्तीसगढ़ को आसानी से हराकर अगले चक्र में जगह बनाई। ?प्रतियोगिता के दौरान भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी, पूर्वोत्तर रेलवे के डीआरएम आशीष जैन, आयोजन समिति के अध्यक्ष व महापौर अशोक कुमार तिवारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया। अब प्री-क्वार्टर फाइनल महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश टीम का अगला मुकाबला सायंकाल ओडिशा से होगा। महिला वर्ग में ही तमिलनाडु का सामना हिमाचल प्रदेश से होगा। पुरुषों में उत्तर प्रदेश का इंडियन रेलवे से, केरल का कर्नाटका के मध्य प्री-क्वार्टर फाइनल होगा । टूर्नामेंट अब अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुँच चुका है, जहां नौ.जनवरी को क्वार्टर फाइनल और 11 जनवरी को महामुकाबला (फाइनल) खेला जाएगा।